दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली। रविवार 19 अप्रैल -2026 | वर्ष : 11 अंक : 116 पेज-08 | RNI NO. DELHI/2015/65364 | मूल्य : ₹3

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा - नारी शक्ति की उड़ान को रोकने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा

बोले पीएम मोदी

विपक्ष ने महिलाओं के पक्ष में खड़े होने का अवसर खो दिया- पीएम मोदी

नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं- पीएम

विपक्ष को उसके पाप की सजा जरूर मिलेगी- पीएम मोदी

नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा – मैं एक बेहद महत्वपूर्ण विषय पर, विशेषकर देश की माताओं, बहनों और बेटियों से बात करने आया हूं। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया है। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं बहनों से क्षमा मांगाता हूं। हमारे लिए देश हित सर्वोपरि है।

जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी ये देखकर बहुत दुख हुआ कि जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। और नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वह याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था, खुशियां मनाईं थीं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कल नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं। वे ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वह उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान चुकी है। महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर के विपक्ष ने जो पाप किया है, उसकी सजा उन्हें जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निमार्ता की भावनाओं का भी अपमान किया है। और जनता द्वारा इसकी सजा से भी वे बच नहीं पाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा सदन में नारी शक्ति वंदन संशोधन किसी से भी कुछ छीनने का नहीं था। यह हर किसी को कुछ न कुछ देने का था। देने के लिए यह संशोधन था। 40 साल से लटकी हुई नारी के हक को 2029 के अगले लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। नारी शक्ति वंदन संशोधन 21वीं सदी के भारत की नारी को नया अवसर देने, नई उड़ान देने, उसके सामने से बाधाएं हटाने का महायज्ञ था। देश की 50 फीसदी यानी आधी आबादी को उसका अधिकार देने का साफ नीयत के साथ, ईमानदारी के साथ किया गया, एक पवित्र प्रयास था। नारियों को भारत की विकास यात्रा में सहयात्री बनाने और सबकुछ जोड़ने का प्रयास था।

चारधाम की यात्रा आज से शुरू गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के खुलेंगे कपाट

18.25 लाख श्रद्धालुओं ने करवाया रजिस्ट्रेशन

आस्था

ऋषिकेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 10 बसों को यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के लिए रवाना करेंगे

उत्तराखंड। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा आज से शुरू हो जाएगी। ऋषिकेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 10 बसों को यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के लिए रवाना करेंगे। ये यात्री 19 अप्रैल को यमुनोत्री-गंगोत्री के कपाट खुलने के वक्त मौजूद रहेंगे। चारधाम के लिए अब तक 18.25 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। पिछले साल 23 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था।

गुरुवार से ऋषिकेश और हरिद्वार में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर भी शुरू हो गए हैं। सबसे पहले मध्य प्रदेश (शहडोल) के 100 यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। ये सभी यमुनोत्री और गंगोत्री के दर्शन करेंगे।

चार धाम से जुड़े पांच नियम : बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक रहेगी। हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन धर्म के लोग दर्शन कर पाएंगे। हालांकि अन्य धर्म के लोगों को कैसे रोका जाएगा, इसे लेकर मंदिर समिति ने स्पष्ट निर्देश नहीं जारी किए हैं। केदारनाथ के गर्भगृह में श्रद्धालु गंगाजल, फूल नहीं चढ़ा सकेंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया, विशेष पूजा दोपहर में नहीं होगी।

मेरठ जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय नोएडा में 'कैद', सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों में भारी आक्रोश

छोटे मकानों के ध्वस्तीकरण के खिलाफ महिलाओं का 8वें दिन भी धरना जारी

हाउस अरेस्ट

पुलिस ने धरनास्थल पर बाहरी लोगों के आने पर अघोषित प्रतिबंध लगा दिया

मेरठ। सेंट्रल मार्केट में धरनारत व्यापारियों की पीड़ा सुनने जा रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने शुक्रवार दोपहर नोएडा में हाउस अरेस्ट कर लिया। सेक्टर 59 में पुलिस ने दोपहर एक बजे उन्हें रोका और शाम पांच बजे के बाद छोड़ा। इससे वह धरनास्थल पर नहीं हुंच सके। पुलिस की इस सख्ती से शुक्रवार को सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों में उबाल आ गया। पुलिस ने धरनास्थल पर बाहरी लोगों के आने पर अघोषित प्रतिबंध लगा दिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने फोन पर बताया कि सेंट्रल मार्केट के मुद्दे पर वह चुप नहीं रहेंगे। नोएडा में ही उन्होंने पार्टी नेताओं को बुलाकर स्थिति की जानकारी ली और संघर्ष की रणनीति बनाने के लिए कहा। उधर, शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट सेक्टर -2 में सेटबैक छोड़ने के खिलाफ शुक्रवार को आठवें दिन भी महिलाओं का धरना जारी।

आवास एवं विकास परिषद के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए महिलाओं ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने मोदी, योगी न्याय दो... के नारे भी लगाए। महिलाओं का कहना है कि उनके 25 वर्ग मीटर, 32 वर्ग मीटर और महज 60 वर्ग मीटर के छोटे-छोटे मकान हैं। इन मकान में वह छोटे-छोटे व्यवसाय कर जीवन यापन कर रही हैं।

अब सेटबैक छोड़ने के नाम पर इन्हें ध्वस्त करने को कहा जा रहा है। तिरंगा चौक व्यापार संघ के अध्यक्ष मनोज गर्ग ने कहा कि पिछले तीन-चार दशक में कई सरकारी आई और गईं लेकिन व्यापारियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई किसी ने नहीं की। उन्होंने बताया कि व्यापार संघ के पदाधिकारी की ओर से बैठक कर मामले में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। मनोज गर्ग ने कहा कि व्यापारी नेताओं का उत्पीड़न किया जाना गलत है।

ईरान ने किया होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने का ऐलान कहा- अमेरिका की 'समुद्री डकैती' के चलते लिया फैसला

नाकाबंदी

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर से बढ़ता दिख रहा है

तेहरान: ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने शनिवार को को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट बंद करने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर से बढ़ता दिख रहा है। सैन्य कमान ने घोषणा की है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य का सख्त प्रबंधन फिर से शुरू करेगी। इसके साथ ही उसने वाशिंगटन के साथ बातचीत के तहत इस रणनीतिक मार्ग को खोलने के अपने पहले के फैसले को पलट दिया है। ईरान की सरकारी टेलीविजन पर जारी एक बयान में मुख्यालय ने कहा कि वाशिंगटन ने ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखकर अपना वादा तोड़ दिया है।

सैन्य कमान के बयान में कहा गया है कि जब तक अमेरिका, ईरान आने वाले सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता बहाल नहीं कर देता तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति सख्त नियंत्रण में रहेगी।

यानि ईरान ने साफ कर दिया है जब तक अमेरिका होर्मुज के ब्लॉकेड को हटाता नहीं है तब तक ईरान होर्मुज को बंद रखेगा।

माना जा रहा है कि होर्मुज खोलने के बाद ईरान के अंदर सरकार और आईआरजीसी के बीच विवाद बढ़ गया था। ईरान की सरकारी मीडिया ने होर्मुज खोलने के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के फैसले की सख्त आलोचना की थी।

गाजियाबाद-सीतापुर रेल कॉरिडोर को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

रेलवे परियोजना

14,926 करोड़ की मेगा परियोजना से बदलेगी कनेक्टिविटी की तस्वीरें

गाजियाबाद, करंट क्राइम : केंद्र की भारत सरकार के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ी और रणनीतिक महत्व की रेलवे परियोजना को मंजूरी दे दी है।

गाजियाबाद से सीतापुर तक तीसरी और चौथी रेलवे लाइन बिछाने की इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 14,926 करोड़ की लागत आएगी। यह परियोजना न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक केंद्र गाजियाबाद को तराई क्षेत्र के महत्वपूर्ण जिले सीतापुर से जोड़ेगी, बल्कि उत्तर भारत से पूर्वी भारत की ओर जाने वाली रेल कनेक्टिविटी को भी नई गति देगी। इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों दोनों के संचालन में सुगमता आएगी और ट्रैफिक दबाव में उल्लेखनीय कमी होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस नई लाइन के निर्माण से मौजूदा रूट पर भीड़भाड़ कम होगी, ट्रेनों की औसत गति बढ़ेगी और समय की बचत होगी। इसके साथ ही औद्योगिक और कृषि उत्पादों की ढुलाई अधिक तेज और किफायती हो सकेगी, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

इस परियोजना का एक बड़ा फायदा यह भी होगा कि गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद और सीतापुर जैसे क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्थानीय स्तर पर निर्माण कार्य के दौरान हजारों लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है, वहीं लंबे समय में यह कॉरिडोर व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर माल परिवहन को अधिक कुशल बनाएगी। केंद्र सरकार की इस पहल को राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। कुल मिलाकर, गाजियाबाद-सीतापुर रेलवे लाइन का विस्तार उत्तर प्रदेश को विकास की नई पटरी पर ले जाने वाला साबित हो सकता है।

खोड़ा के पानी पर माफिया राज खत्म करने का ऐलान

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की खुली चेतावनी अगर जरूरत पड़ी तो हर नाके पर खुद बैठूंगा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : खोड़ा कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति शुरू होने के साथ ही सियासत भी गर्मा गई है। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा ने मंच से पानी माफियाओं को सीधे निशाने पर लेते हुए सख्त चेतावनी दी है। उनका बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि खोड़ा का पानी अब किसी भी हालत में बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, यहां के पानी पर जिन माफियाओं की नजर है, वे सावधान हो जाएं। मैं खोड़ा का पानी बिकने नहीं दूंगा। जरूरत पड़ी तो हर नाके पर सुरक्षा के लिए खुद बैठूंगा। उनका यह बयान साफ संकेत देता है कि सरकार अब अवैध पानी कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाने जा रही है। दरअसल, लंबे समय से खोड़ा की बड़ी आबादी पानी माफियाओं पर निर्भर थी। लोगों को हर मौसम में पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई नई पेयजल आपूर्ति योजना से हजारों परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

इस योजना का शुभारंभ हाल ही में मंत्री सुनील शर्मा के साथ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने किया था। सरकार का दावा है कि इससे न सिर्फ पानी की किल्लत दूर होगी, बल्कि अवैध पानी सप्लाई के नेटवर्क पर भी रोक लगेगी।

हालांकि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के बयान के बाद अब राजनीतिक गलियारों में कई सवाल उठ रहे हैं। आखिर वह किन पानी माफियाओं को यह चेतावनी दी गई है? क्या इसके पीछे कोई संगठित सिंडिकेट है, या फिर यह स्थानीय स्तर पर फैले अवैध नेटवर्क की ओर इशारा है? विपक्ष भी अब इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्टता की मांग कर सकता है।

फिलहाल इतना तय है कि खोड़ा में पानी की सप्लाई शुरू होने के साथ ही एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां पहले पानी जरूरत थी, वहीं अब यह सियासत और कार्रवाई दोनों का केंद्र बन गया है।

अक्षय तृतीया पर सुरक्षा घेरा रहेगा मजबूत, सर्राफा बाजारों में चौबीस घंटे गश्त के आदेश

मुस्तैदी

पुलिस कमिश्नरेट ने किसी भी संभावित आपराधिक घटना को रोकने के लिए कमर कसी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पावन पर्व अक्षय तृतीया के अवसर पर जहां एक ओर सोना-चांदी की खरीदारी को लेकर बाजारों में भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, वहीं दूसरी ओर पुलिस कमिश्नरेट ने किसी भी संभावित आपराधिक घटना को रोकने के लिए कमर कस ली है। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर पूरे कमिश्नरेट में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। थाना प्रभारियों से लेकर सहायक पुलिस आयुक्त स्तर तक अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि प्रमुख सर्राफा बाजारों और ज्वेलरी दुकानों के आसपास पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से उन दुकानों और बाजारों को चिन्हित किया गया है जहां अधिक भीड़ और भारी लेनदेन होता है। इन स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। देर रात तक खुलने वाली दुकानों के बाहर भी पुलिस की निरंतर उपस्थिति रहेगी, ताकि किसी भी प्रकार की लूट, झपटमारी या अन्य आपराधिक घटना की गुंजाइश न रहे। पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीआरवी रहेगी चौबीस घंटे सक्रिय, कैमरों से होगी पैनी निगरानी

करंट क्राइम : त्योहार के दौरान महिलाओं और परिवारों की बड़ी संख्या में बाजारों में आवाजाही को देखते हुए गश्ती दलों और आपात प्रतिक्रिया वाहनों को विशेष रूप से सक्रिय किया गया है। प्रत्येक थाना और चौकी क्षेत्र में आने वाले प्रमुख बाजारों की सूची तैयार कर वहां नियमित और सघन गश्त के आदेश दिए गए हैं। गर्मी के मौसम में दोपहर के समय बाजारों में अचानक सन्नाटा होने की स्थिति को भी पुलिस ने गंभीरता से लिया है। ऐसे समय में आपराधिक घटनाओं की आशंका को देखते हुए चौबीस घंटे ड्यूटी की व्यवस्था लागू की गई है। इसके साथ ही, सभी प्रमुख स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहें, अपने कीमती सामान की सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कमिश्नरेट का उद्देश्य साफ है, त्योहार के उल्लास के बीच सुरक्षा में कोई कमी न रहे और हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे।

नोएडा हिंसा में पाकिस्तानी कनेक्शन

चल रहे थे दो एक्स एकाउंट! एटीएस की जांच जारी

हक की लड़ाई

पुलिस जांच कर रही है कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों की हिंसा के दौरान क्या भूमिका रही

नोएडा। नोएडा शहर में सोमवार को श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन में पाकिस्तान का कनेक्शन आने के बाद एटीएस भी सक्रिय हो गई है। पुलिस की जांच में दो एक्स एकाउंट जिनको पाकिस्तान से चलाए जाने की बात सामने आई है उनका पूरा ब्यौरा खंगाला जा रहा है।

एक्स की शुरूआती रिपोर्ट आने के बाद यह भी देखा जा रहा है कि इन दोनों एकाउंट की पहले की और क्या गतिविधियां रही है। दूसरी तरफ कमिश्नरेट पुलिस रुपेश राय व उसकी साथी मनीषा चौधरी, आकृति, सृष्टि की भूमिका की जांच कर रही है।

आरोप है कि यह पढ़े-लिखे होने के बाद भी कर्मियों को प्रदर्शन करने और हिंसा करने के लिए भड़का रहे थे। इस आधार पर पुलिस इनके अर्बन नक्सल से जुड़े होने की आशंका जता रही है। पुलिस अब तक इस पूरे हंगामें में तीनों जोन से 1100 लोगों को जेल भेज चुकी है। इनमें से 70 ऐसे हैं जो उपद्रव करते हुए पाए गए हैं, जबकि शेष आरोपित हिंसा के दौरान मौके से पकड़े गए। इनका शांति भंग में चालान किया गया है। अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी कैमरों से जांच कर रही है कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों की हिंसा के दौरान क्या भूमिका रही। हिंसा भड़काने, तोडफोड़ व आगजनी करने के साक्ष्य मिलने पर आरोपितों को मुख्य मामलों में शामिल किया जा रहा है।

सोमवार को बेटे को ले गई पुलिस, थाने पर पूछा तो किया इन्कार : नोएडा में खोड़ा की रहने वाली महिला का बेटा सोमवार से गायब था। जब मां माता-पिता थाने पहुंचे तो पुलिस ने जानकारी नहीं दी। आरोप है कि श्रमिकों के हंगामे के बाद बेटे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। कई बार थाने पूछने भी गए लेकिन पुलिसकर्मियों ने हिरासत में न लिए जाने की बात कहकर लौटा दिया।

पगार बढ़ाने को लेकर सोमवार को शहर में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। कंपनियों में तोड़फोड़ और आगजनी तक हुई। इस बीच पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों पर लाठी भी भांजी थी। कई लोगों को हिरासत में भी लिया। अब अचानक कई लोग गायब हुए तो उनके परिजन डर गए।

शाम तक घर न लौटने पर पुलिस से जानकारी की गई। ऐसा ही हाल खोड़ा के रहने वाले परिवार का भी रहा। उनका 18 वर्षीय बेटा शिवम भी सोमवार को घर नहीं लौटा था। जब परिवार थाने पहुंचा तो पुलिस ने कोई जानकारी न होने की बात कहकर लौटा दिया।

श्रम कानून उल्लंघन में 203 ठेकेदारों पर होगी कार्रवाई

नोएडा । नोएडा और ग्रेटर नोएडा में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले 24 कारखानों से जुड़े 203 ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त करने, राशि की वसूली करने और एजेंसियों को काली सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने बताया कि श्रमिकों के उपद्रव में कई ठेकेदारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। वहीं, श्रम कानूनों का पालन नहीं करने पर ठेकेदारों के खिलाफ 1.16 करोड़ रुपये की पेनल्टी के नोटिस जारी किए गए हैं।

दिल्ली के विवादित विश्वविद्यालय के छात्रों और सियासी दल ने मजदूरों को भड़काया, जांच में खुलासा

लखनऊ । नोएडा में हुए बवाल को भड़काने के पीछे दिल्ली के एक विवादित विश्वविद्यालय के छात्रों और एक सियासी दल के लोगों का हाथ था। जांच के दायरे में आए सियासी दल का जुड़ाव कुछ नक्सली संगठनों से भी है। शासन के निर्देश पर इस मामले की जांच कर रही एसटीएफ की जांच में इसके पुख्ता सुराग हाथ लगे हैं।

एसटीएफ इसमें शामिल लोगों को तेजी से चिन्हित कर रही है। जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, नोएडा में बवाल शुरू होने के बाद दिल्ली के एक विश्वविद्यालय के छात्रों का एक गुट वहां पहुंचा, जिसने मजदूरों के गुस्से को भड़काया। इस गुट ने ही गाड़ियों में आग लगाई और पुलिस को निशाना बनाया। इसके अलावा एक राजनीतिक दल के समर्थक भी उनके साथ नोएडा गए थे।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी! दो फीसदी बढ़ाया गया महंगाई भत्ता

चेहरे खिले

महंगाई भत्ता बढ़ने से एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को होगा फायदा

नई दिल्ली। नई दिल्लीः केंद्रीय कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उनका महंगाई भत्ता यानी डीए दो फीसदी बढ़ाने का फैसला किया है। इससे साथ ही केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 58 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो गया है। इससे एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा होगा। पेंशनर्स को महंगाई राहत मिलती है। देश में अभी 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 65 लाख पेंशनर्स हैं। ऑल-इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स-इंडस्ट्रियल वर्कर्स के 12 महीने के एवरेज के हिसाब से डीए में दो फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान जताया जा रहा था।

केंद्र सरकार समय-समय पर अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनर्स की महंगाई राहत में बढ़ोतरी करती है। इसे साल में दो बार यानी जनवरी और जुलाई में महंगाई के हिसाब से संशोधित किया जाता है। इससे पहले अक्टूबर में डीए में तीन फीसदी बढ़ोतरी की गई थी और यह 55 फीसदी से बढ़कर 58 फीसदी हो गया था। लेकिन इस बार देरी होने के कारण सवाल उठ रहे थे। माना जा रहा है कि इस देरी का कारण 8वें वेतन आयोग में ट्रांजिशन हो सकता है।

देरी पर उठे सवाल ? : केंद्र सरकार अमूमन होली के आसपास अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए डीए बढ़ोतरी की घोषणा करती है। लेकिन इस बार काफी समय निकल जाने के बाद भी कर्मचारियों की बैचेनी बढ़ रही थी। इसकी वजह यह थी कि जून, 2016 में सातवें पे कमीशन की सिफारिशें लागू होने के बाद डीए की घोषणा में कभी भी इतनी देरी नहीं हुई थी। यही वजह है कि सवाल उठ रहे थे कि क्या सरकार डीए में बढ़ोतरी से बच रही है या पश्चिम एशिया युद्ध से पैदा हुए वित्तीय दबाव के कारण इसमें देरी कर रही है ?

कितनी बढ़ जाएगी सैलरी : अगर किसी कर्मचारी को हर महीने 36,500 रुपये बेसिक पे मिलती है तो अभी उसका डीए 58 फीसदी के हिसाब से 21,170 रुपये है। 2 फीसदी बढ़ोतरी के बाद उसका डीए 21,900 रुपये पहुंच जाएगा।

'एआई विकल्प नहीं सहयोगी है, इससे डरे नहीं': सूर्यकांत

नई दिल्ली। भारतीय न्यायपालिका में तकनीक का प्रवेश एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन यह बदलाव मानवीय संवेदनाओं और संवैधानिक नैतिकता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। शनिवार को बंगलूरू में आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य-स्तरीय सम्मेलन में देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और न्याय प्रणाली के अंतर्संबंधों पर बड़ी बेबाकी से अपनी राय रखी।

'एआई के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' विषय पर बोलते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को एआई से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब आपके सामने जटिल कानूनी सवाल आते हैं, तो आप अधिक धैर्य और गहराई से विचार करते हैं।

चुपके से परिसीमन बदलना चाहती थी सरकार : राहुल गांधी

खरी-खरी

महिला आरक्षण बिल का उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोंनेरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह कदम तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की एक छिपी हुई रणनीति का हिस्सा है।

तिरुवल्लुर जिले में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा कि संसद में लाया गया हालिया विधेयक भले ही महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि हमने इसे संसद में हराया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में आरएसएस और भाजपा पर तमिलनाडु की भाषा, संस्कृति और पहचान को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु में पैदा नहीं हुआ।

बैनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से आए चार चीते

नई दिल्ली। बैनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से चार चीतों के सफल आगमन की घोषणा की, जिनमें दो मादा शामिल हैं। ये चीते इंडुना प्राइमेट एंड पैरट पार्क से लाए गए हैं। पार्क प्रशासन के अनुसार, सभी चीते शनिवार तड़के करीब 1:15 बजे केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। यह स्थानांतरण वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत स्वीकृत एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत किया गया है। जारी बयान में कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य संरक्षण प्रयासों को मजबूत करना, कैद में रहने वाले जीवों की आनुवंशिक विविधता बढ़ाना, पर्यटकों में जागरूकता फैलाना और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की रची जा रही थी साजिश : प्रियंका

तीखा हमला

सरकार संघीय ढांचे को कमजोर करने और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही थी

नई दिल्ली। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ, वह लोकतंत्र और संविधान की बड़ी जीत है।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार संघीय ढांचे को कमजोर करने और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संविधान और देश की जीत है, बल्कि विपक्ष की एकजुटता की भी जीत है, जो सत्ताधारी दल के नेताओं के चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसी भी तरह बने रहने की रणनीति बना रही है और इसके लिए महिलाओं के मुद्दे का इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही है। उनके मुताबिक, सरकार की सोच थी कि अगर बिल पास हो जाता तो उसे राजनीतिक फायदा मिलता, और अगर नहीं होता तो वह अन्य दलों को महिला विरोधी बताकर खुद को महिलाओं का मसीहा दिखाने की कोशिश करती।

पश्चिम एशिया संकट को लेकर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की होगी बैठक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे अध्यक्षता

बैठक

बैठक में पश्चिम एशिया के ताजा हालातों और भारत पर पड़ने वाले इसके प्रभावों पर चर्चा होगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को देखते हुए भारत सरकार ने मंत्रियों का एक विशेष समूह (जीओएम) गठित किया है। इस समूह की एक अहम बैठक आज फिर आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार शाम चार बजे इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से पश्चिम एशिया के ताजा हालातों और भारत पर पड़ने वाले इसके प्रभावों पर चर्चा होगी। बैठक में एलपीजी सप्लाई, पेट्रोल डीजल, फर्टिलाइजर्स आदि की सप्लाई को लेकर समीक्षा की जाएगी।

इससे पहले 8 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में इस समूह की तीसरी बैठक हुई थी। उस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे। उस दौरान रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया था कि सरकार देश के भीतर जरूरी सामानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने विशेष रूप से रसोई गैस, ईंधन और किसानों के लिए खाद की निरंतर आपूर्ति बनाए रखने पर जोर दिया था।

सरकार का प्रयास है कि देशभर में जरूरी सामानों की सप्लाई सुचारु रहे ताकि आम जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया था कि सरकार किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को पहले से ही मजबूत कर रही है। मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए लगातार निगरानी रखना और समय पर सही निर्णय लेना बहुत आवश्यक हो गया है।

एअर इंडिया के पायलट पर गांजा रखने का आरोप, अमेरिका से वापस भेजा गया

नई दिल्ली। एअर इंडिया के एक पायलट को अमेरिका से वापस भारत भेज दिया गया। उस पर गांजा (मारिजुआना) रखने का आरोप है। यह पायलट 14 अप्रैल को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही उड़ान में यात्री के रूप में यात्रा कर रहा था। उसे आगे की उड़ान संचालित करने के लिए वहां तैनात होना था। एअर इंडिया ने बयान में कहा कि संबंधित क्रू सदस्य को स्थानीय कानूनों के तहत अयोग्य पाया गया और उसे अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद उसे भारत वापस भेज दिया गया। एअर इंडिया कानून के किसी भी उल्लंघन के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति रखती है और सुरक्षा, अनुपालन तथा व्यावसायिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखती है।

'मेरे से अब जिया नहीं जाएगा...', साथियों को भेजा ये वॉयस मैसेज, 10वीं में 92% आने पर भी छात्रा ने दी जान

कानपुर। कानपुर में लक्ष्य से तीन फीसदी कम नंबर आने पर एक छात्रा ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले छात्रा ने अपने कुछ साथियों को एक वॉयस रिकार्डिंग भी भेजी थी। दरअसल, 92 फीसदी अंक कम नहीं होते पर वैशाली सिंह को 95 फीसदी अंक की चाहत थी। चाहत अधूरी रह गई तो उसने गुरुवार शाम फंदे से लटककर जान दे दी।

पनकी रतनपुर शिवालिक भवन निवासी छात्रा वैशाली सिंह बुधवार को सीबीएसई 10वीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद से मायूस थी। फंदा लगाने से पहले छात्रा ने अपने कुछ साथियों को मोबाइल पर वॉयस रिकॉर्डिंग भेजी थी। इसमें उसने जीने की इच्छा खत्म होने व उस पर खर्च किए जाने वाले रुपये बर्बाद होने की आशंका का जिक्र किया था।

पुलिस ने जांच के लिए छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वैशाली अमार्पुर स्थित केंद्रीय विद्यालय में सीबीएसई बोर्ड से 10वीं की छात्रा थी। परिवार में मां काजल, 19 वर्षीय भाई प्रिंस है। प्राइवेट कर्मी पिता वीरेंद्र सिंह की दो साल पहले मौत हो चुकी है। काजल पीरोड स्थित एक मॉल में काम करती हैं। प्रिंस कुछ साल पहले पढ़ाई छोड़ चुका है। काजल ने बताया कि गुरुवार को वह मॉल गई थीं।

दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक बेटी को कई कॉल की लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। उन्होंने प्रिंस को कमरे में भेजा तो वह वैशाली का शव फंदे पर लटका देख चीख पड़ा। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पनकी इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि तनाव के कारण छात्रा के खुदकुशी की बात सामने आई है। मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मैं एक जिंदा लाश बनकर रह गई हूं...

खुदकुशी से पहले छात्रा ने अपने कुछ साथियों को एक वॉयस रिकार्डिंग भेजी थी। इसमें छात्रा कह रही थी कि मेरे से अब जिया नहीं जाएगा... मैं एक जिंदा लाश बनकर रह गई हूं... अब मुझे जीने की इच्छा नहीं है। मुझे बहुत डर लगता है... मां मुझ पर इतना पैसा खर्च कर रही हैं... कहीं उनका पैसा बर्बाद न हो जाए।

मृतका की मां काजल ने आरोप लगाया कि बेटी पर स्कूल वाले पढ़ाई का काफी दबाव डाल रहे थे। इस कारण वह रात-रात भर पढ़ती रहती थी। इसी के तनाव में उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली।

छात्रा के भाई प्रिंस का कहना था कि वह भी केंद्रीय विद्यालय में 11वीं का छात्र रहा है।

एसआईआर को भांप रही बसपा फिर होगा प्रत्याशियों का चयन

रणनीति

पार्टी सूत्रों की मानें तो एसआईआर अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वालों को टिकट चयन में तवज्जो दी जाएगी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) से हुए नफा-नुकसान को भांप रही है। पार्टी ने हाल ही में गठित की गईं 15 हजार बूथ कमेटियों से इस बाबत रिपोर्ट मांगी है, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। बता दें कि बसपा ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया था ताकि उसके समर्थकों का नाम मतदाता सूची में बरकरार रहे।

पार्टी सूत्रों की मानें तो एसआईआर अभियान में जिन पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई, उन्हें टिकट चयन में तवज्जो दी जाएगी। खासकर जिलों में जिन संभावित प्रत्याशियों को प्रभारी बनाया गया था, उनके बारे में रिपोर्ट मिलने के बाद उनकी दावेदारी पर फैसला लिया जाएगा।

बसपा सुप्रीमो मायावती खुद इस मामले की गहनता से समीक्षा कर रही हैं। उन्होंने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल से इस बाबत सभी जिलों से रिपोर्ट मंगाने को कहा है। खासकर पार्टी के प्रभाव वाले क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या कम होने के बारे में बताने को कहा गया है ताकि जिनके नाम मतदाता सूची में शामिल होने से रह गए हैं।

दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनीः पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी, चाकू से वार कर पिता-पुत्र को उतारा मौत के घाट

सनसनी

पैसे के लेनदेन के विवाद में चाकू से गोदकर राकेश सूद और उनके बेटे करण सूद की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क थाना क्षेत्र के अलकनंदा-तारा अपार्टमेंट में पड़ोसी ने पैसे के लेनदेन के विवाद में चाकू से गोदकर राकेश सूद (60) और उनके बेटे करण सूद (33) की शुक्रवार रात हत्या कर दी। बीचबचाव में राकेश का भतीजा भी घायल हो गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि तारा अपार्टमेंट का रहने वाले आरोपी असद ने पीड़ितों पर हमला किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पीएस सीआर पार्क थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना शाम करीब 6:15 बजे हुई। प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े राकेश सूद अपने परिवार के साथ सीआर पार्क के तारा अपार्टमेंट में रहते थे। बेटा करण सूद कारोबार में उनकी मदद करता है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि आमने-सामने रहने वाले आरोपी और पीड़ितों के बीच एक साल से पैसों और पार्किंग की समस्याओं को लेकर आए दिन आपस में झगड़े हो रहे थे।

शुक्रवार को इन्हीं बातों को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। इसी दौरान आरोपी युवक ने गुस्से में आकर चाकू निकाल लिया और पहले करण पर हमला किया। राकेश बेटे को बचाने के लिए आगे आए आरोपी ने उन्हें भी चाकू से गोद दिया। आरोपी ने दोनों पर कई वार किए। अचानक हुए इस हमले से दोनों गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। इस बीच राकेश के भतीजे ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो हमलावर ने उसे भी घायल करके भाग गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

पश्चिम बंगाल का सियासी चौसरः भाजपा मारेगी बाजी या टीएमसी करेगी 'खेला'

सियासी लड़ाई

राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं–इस बार जीत और हार के पीछे कई कारण होंगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सियासी लड़ाई इस बार सिर्फ बड़े चेहरों, रैलियों और नारों तक सीमित नहीं है। असली मुकाबला उन सीटों पर सिमटता दिख रहा है, जहां पिछली बार जीत-हार का अंतर बेहद कम रहा था। यही वजह है कि राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं–इस बार जीत और हार के पीछे कई कारण होंगे, लेकिन एक बड़ा कारण उन सीटों का गणित भी होगा, जहां कुछ हजार या कुछ सौ वोटों ने नतीजे तय किए थे।

दरअसल, 2021 के विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस बार की रणनीति की रीढ़ बन चुके हैं। राज्य की 294 सीटों में बहुमत के लिए 148 सीटें जरूरी हैं, लेकिन करीब 57 सीटें ऐसी हैं जहां जीत-हार का अंतर 8000 वोट से कम रहा था। इनमें से कई सीटों पर मुकाबला इतना करीबी था कि नतीजे कुछ सौ वोटों में तय हुए। यही सीटें इस बार सत्ता की असली चाबी बन सकती हैं। बड़ी जीत, लेकिन भीतर छिपी कड़ी टक्कर 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था, जबकि भाजपा 77 सीटों पर सिमट गई थी। अन्य दलों को 4 सीटें मिली थीं। ऊपरी तौर पर यह एकतरफा जनादेश दिखता है, लेकिन गहराई से देखने पर तस्वीर अलग है। कई सीटों पर मुकाबला बेहद कांटे का रहा, जिसने यह संकेत दिया कि वोटर का रुझान पूरी तरह एकतरफा नहीं था।

57 सीटों का माइक्रो गणितः जहां हर वोट निर्णायक इन 57 सीटों पर मुकाबले की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिनहाटा सीट पर जीत का अंतर महज 57 वोट था। करीब 10 सीटों पर अंतर 1000 वोट से भी कम रहा

यानी इन सीटों पर दोनों प्रमुख दलों के बीच लगभग बराबरी की टक्कर रही– और यही संतुलन 2026 में सत्ता का फैसला कर सकता है।

भाजपा इस बार इन 57 सीटों को अपने लिए सबसे अहम मानकर रणनीति बना रही है। पार्टी का फोकस उन क्षेत्रों पर है, जहां पिछली बार वह कम अंतर से हार गई थी।

दैनिक करंट क्राइम www.currentcrime.com सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। रविवार 19 अप्रैल -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

2027 के चुनावी रण में कहां खड़ी दिखाई देगी कांग्रेस

जनता के बीच जनमुद्दों को लेकर कौन से हैं कांग्रेस वालों के फेस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा सत्ता में है और विपक्ष की बात करें तो यहां आज बात कांग्रेस की है। कांग्रेस 2027 के चुनावी रण में कहा स्टैन्ड करेगी। उसके कौन से चेहरे चुनावी फेस होंगे। यहां पर बड़ी बात ये भी है कि सबकी निगाहें समाजवादी पार्टी पर होंगी क्योंकि अगर 2027 में भी सपा और कांगेस गठबंधन के साथ आये तो इस बात की भी प्रबल संभावनायें है कि कई सीटों पर समाजवादी पार्टी दावा करें और कांग्रेस यहां चुनाव लड़वायें। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि कांग्रेस अगर चुनाव लड़वातीहै तो उसका संगठन किस रणनीति से सपा के चुनावी संग्राम का हिस्सा बनेगा और अगर कांग्रेस चुनाव लड़ती है तो उसके कौन से चेहरे चुनावी महारथी के रूप में सामने आयेंगे। यहां पर कांग्रेस का कोई ऐसा नेता फिलहाल मैदान में नहीं दिखाई दे रहा है। ये बात चुभती हुई महसूस नहीं हो सकती है। जब हाउस टैक्स के मुददे पर मुखर होकर विपक्ष को सामने आना था तो यहां कांग्रेस का कोई बेस ही नहीं दिखा। जब भाजपा के पार्षदों ने आधी लड़ाई लड़ ली तब कांग्रेस ने थोड़ा सा विरोध जताया और कांग्रेस का गाजियाबाद में एक मात्र चुनावी चेहरा बन चुकी डॉली शर्मा ने एक होटल में प्रैस वार्ता की और कांग्रेस विरोध समाप्त हो गया। कोंग्रस के चुनावी चेहरों की बात करें तो शहर विधानसभा में सुशांत गोयल दावा करते दिखाई देते हैं लेकिन संघर्ष करते वो भी नजर नहीं आये। मुरादनगन विधानसभा की बात करें तो यहां डा संजीव शर्मा सोशल मीडिया पर जरूर एक्टिव दिखाई देते हैं लेकिन जिस तरीके से चुनावी चेहरे रण में उतरते हैं वो चेहरा अभी नजर नहीं आता है। साहिबाबाद विधानसभा में जो चेहरे चुनाव लड़े थे वो अता पता लापता वाले सीन में हैं। ऐसा लगता है उन्होंने राजनीति से वीआरएस ले लिया है। यहां कोई चेहरा तेवरों के साथ है भी नहीं। कांग्रेस के संगठन की बात करें तो साईकिल वालों के दफ्तर पर फिर भी चहल पहल है लेकिन कांग्रेस वालों के यहां संगठन के दफ्तरों पर ही खाली पन दिखाई देता है। कोई बैठक कोई गोष्ठि, कोई सम्मेलन , ज्ञापन वाला सीन भी दिखाई नहीं देता। उसका यूथ कहां है और बूथ पर क्या तैयारी है। ये कांग्रेस के संगठन पदाधिकारियों को नहीं पता। जिले से लेकर महानगर तक यही हाल है। महिला कांग्रेस क्या कर रही है , क्या रणनीति है किसी को नहीं पता, कोई एक्टिविटी नहीं दिखती। वरिष्ठ कांग्रेसी भी अब वीआरएस वाले अंदाज में हैं, ऐसे में कोंग्रेस क्या चुनावी रण में आयेगी भी इसको लेकर भी डाउट होता है।

समाजवादी को कितना माईलेज दे पायेगी गाजियाबाद की कांग्रेस

करंट क्राइम। सियासी एक्टिविटी की बात करें तो कांग्रेस साईलेंट मोड पर है। महिला कांग्रेस से लेकर यूथ कांग्रेस तक संघर्ष की जमीन पर ही नजर नहीं आते। ऐसे में अगर समाजवादी साईकिल मैदान में आ गयी तो यही सवाल है कि यहां पर कांग्रेस का हाथ उसे कितनी सपोर्ट करेगा। क्या कांग्रेस के पास ऐसे नेता हैं जो अपनी अपील पर अपने बूथ से साईकिल को वोट दिलवा सकें। क्या कांग्रेस के तीन पार्षद अपने अपने वार्ड में समाजवादी उम्मीदवार को वोट दिलवा पायेंगे। क्या चुनावी दफ्तरों पर कांग्रेसियों की भीड़ नजर आयेगी।

क्या संगठन के पास नहीं है बूथ और वार्ड के कांग्रेसियों की लिस्ट

करंट क्राइम। चुनाव का समय आ रहा है और भाजपा से लड़ने का दावा करने वाली कोई कांग्रेस फिलहाल रिलैक्स मोड में है। यहां पर चुनाव लड़ने वाले दावेदार मैदान में नहीं है और सबसे बड़ी बात ये है कि कांग्रेस का संगठन ग्राउन्ड स्तर पर कमजोर है। सूत्र बताते हैं कि अगर संगठन स्तर पर ठीक से जांच हो गयी तो यहां ना तो बूथ पर कोई तैयारी है और ना वार्ड की कोई टीम है। अगर एक बार बूथ से लेकर वार्ड के प्रभारियों की परेड करा ली जाये तो पता चल जायेगा कि कांग्रेस केवल फाईलों पर मौजूद हैं। ऐसे में कमजोर कांग्रेस चुनाव रेस में क्या बेस बना पायेगी।

मतदाता सूची में गड़बड़ी पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की सख्त चेतावनी, अब कोई चूक नहीं चलेगी

सख्त निर्देश

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने गाजियाबाद में की महत्वपूर्ण बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए गाजियाबाद में मतदाता सूची की खामियों पर बड़ा प्रशासनिक एक्शन शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में साफ शब्दों में चेतावनी दी कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की लापरवाही या त्रुटि अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाया जाए, क्योंकि यही निष्पक्ष चुनाव की नींव है।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट समेत सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक अधिकारी और संबंधित कार्मिक मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जनपद में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के दौरान रिकॉर्ड संख्या में नए मतदाता जोड़े गए हैं, लेकिन साथ ही कई बूथों पर डुप्लीकेट नाम, गलत आयु, पते और फोटो जैसी गंभीर त्रुटियां भी पाई गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इन खामियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में टेबलटॉप एक्सरसाइज कराकर त्रुटियों की पहचान की जाए और उन्हें फॉर्म-8 के माध्यम से समयबद्ध तरीके से ठीक कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की शुद्धता में कोई भी समझौता लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।

10 दिन में निस्तारण का सख्त आदेश

करंट क्राइम : सभी दावे और आपत्तियों का अधिकतम 10 दिनों में निपटारा प्रतिदिन प्राप्त फार्म तत्काल संबंधित बीएलओ को आवंटित करने के निर्देश फार्म असाइन करते समय सही बूथ और पते का मिलान अनिवार्य रहेगा।

बीएलओ सिस्टम को दुरुस्त करने पर फोकस

करंट क्राइम : इस दौरान उन्होंने कहा है कि किसी भी बूथ पर बीएलओ का पद खाली नहीं रहेगा, सभी बीएलओ को अपना रजिस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। तो मतदाताओं के मोबाइल नंबर सहित पूरा डेटा दर्ज करना अनिवार्य है। चुनाव के दौरान पर्ची वितरण की तैयारी अभी से सुनिश्चित करने को कहा गया

100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का भौतिक सत्यापन

करंट क्राइम : इस मौके पर उन्होंने कहा है कि विशेष मतदाताओं पर खास नजर रहेगी। ओवरसीज मतदाताओं के लिए फॉर्म-6ए का व्यापक प्रचार, प्रवासी भारतीयों को सूची में जोड़ने के लिए अभियान तेज करने के निर्देश बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि मतदाता सूची में दर्ज प्रत्येक नए आवेदन की जांच बेहद सावधानी से की जाए, जिसमें आवेदक का नाम, पता और फोटो निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अंत में नवदीप रिणवा ने सभी अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची का पुनः गहन परीक्षण करें और किसी भी त्रुटि को तुरंत ठीक कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शुद्ध मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव की गारंटी है और इस दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही अब सीधे जवाबदेही तय करेगी।

ऑपरेशन प्रहार को लेकर अलर्ट हो जाएं कमिश्नरेट के थाना प्रभारी

गोपनीय टीमें कर सकती हैं जांच और फिर दोषी पाए जाने पर आएगी आंच

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट में 1 जनवरी 2026 से लागू किए गए ऑपरेशन प्रहार का दायरा अब और सख्त होने जा रहा है।

पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की इस पहल को लगभग चार महीने पूरे होने के साथ ही विभाग ने इसका अगला चरण शुरू करने की तैयारी कर ली है।

इस चरण में सीधे तौर पर थाना प्रभारियों की जवाबदेही तय होगी और उनके कार्यक्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियों के आधार पर उनकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस कमिश्नरेट के सिटी, ट्रांस हिंडन और देहात तीनों जोनों में जल्द ही गोपनीय टीमों द्वारा औचक निरीक्षण किए जाएंगे। इन टीमों का मुख्य फोकस उन इलाकों पर रहेगा जहां मादक पदार्थों की बिक्री, अवैध असलाह का उपयोग, और शादी समारोहों या सार्वजनिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले वीडियो, जिनमें कानून व्यवस्था की अनदेखी या अपराध के संकेत मिलते हैं, उन्हें भी जांच का आधार बनाया जाएगा। स्पष्ट संकेत दिए गए हैं कि यदि किसी थानाक्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों की पुष्टि होती है, तो संबंधित थाना प्रभारी पर सीधा एक्शन लिया जाएगा। ऐसे मामलों में वर्किंग पर डाउट मानते हुए विभागीय जांच के साथ-साथ दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

यानी अब अपराध की जिम्मेदारी केवल आरोपियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उस क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठेंगे।

बीते चार महीने से जारी है अभियान

करंट क्राइम : बीते चार महीनों के दौरान ऑपरेशन प्रहार के तहत जागरूकता अभियान के साथ-साथ लगातार कार्रवाई भी देखने को मिली है। देहात से लेकर सिटी और ट्रांस हिंडन जोन तक कई बीट पुलिस अफसरों पर लापरवाही के आरोप में कार्रवाई की जा चुकी है। लूनी और मसूरी क्षेत्र में हुई घटनाओं, सिटी जोन में मारपीट के वायरल वीडियो और ट्रांस हिंडन में सोशल मीडिया पर सामने आए मामलों में पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठने के बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाया था। इसी कड़ी में अब कमिश्नरेट स्तर पर बीट पुलिसिंग को और मजबूत करने के लिए बीट पुलिस अफसरों की संख्या में भी इजाफा किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाकर ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। बीट स्तर पर सक्रियता बढ़ने से छोटी-छोटी घटनाओं को भी समय रहते रोका जा सकेगा और बड़े अपराधों की संभावनाओं को कम किया जा सकेगा। पुलिस विभाग के भीतर यह संदेश साफ तौर पर प्रसारित कर दिया गया है कि ऑपरेशन प्रहार अब केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने वाला सख्त सिस्टम बन चुका है। आने वाले दिनों में गोपनीय जांच और कड़ी निगरानी के चलते थाना प्रभारियों की कार्यशैली पर पैनी नजर रहेगी। ऐसे में सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट मोड में रहते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखना होगा, अन्यथा कार्रवाई तय मानी जा रही है।

टैक्स विवाद थमा अब सॉफ्टवेयर की परीक्षा

नगर निगम में बिलिंग सिस्टम अपडेट पर बढ़ी हलचल

नई चुनौती

चुनौती टैक्स स्लैब नहीं, बल्कि नए सॉफ्टवेयर अपडेट और बिलिंग सिस्टम को सही तरीके से लागू करने की है

गाजियाबाद, करंट क्राइम : हाउस टैक्स को लेकर लंबे समय से चल रही खींचतान जैसे-तैसे पटरी पर आई ही थी कि अब गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की टेंशन एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है।

इस बार चुनौती टैक्स स्लैब नहीं, बल्कि नए सॉफ्टवेयर अपडेट और बिलिंग सिस्टम को सही तरीके से लागू करने की है। सूत्रों के मुताबिक, नगर निगम में शुक्रवार से हाउस टैक्स की नई नियमावली और कैलकुलेशन प्रणाली के अनुसार बिल बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए सभी जोनल कार्यालयों के कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से ट्रेनिंग दी जा रही है।

हालांकि इस पूरी प्रक्रिया को समझने और जमीन पर लागू करने में करीब 10 दिनों का समय लगने की संभावना जताई जा रही है।

उधर नगर निगम प्रशासन ने पार्षदों को भरोसा दिलाया है कि इस बार पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्हें भी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। प्रत्येक जोन से 4 से 5 पार्षदों की टीम बनाई जा रही है, जो रोजाना सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जोनल कार्यालयों में मौजूद रहेगी। ये टीम न केवल आम जनता को हाउस टैक्स की नई गणना समझाने में मदद करेगी, बल्कि सही बिलिंग सुनिश्चित कराने में भी भूमिका निभाएगी।

टैक्स कलेक्शन से जुड़े कर्मचारियों की पहले होगी ट्रेनिंग फिर होगा टेस्ट

करंट क्राइम : वहीं दूसरी ओर, टैक्स कलेक्शन से जुड़े दर्जनों कर्मचारियों को पहले ट्रेनिंग दी जाएगी, फिर उनका टेस्ट लिया जाएगा। इसके बाद ही पूरे सिस्टम को पूरी तरह लागू किया जाएगा। ऐसे में फिलहाल हाउस टैक्स की नई बिलिंग प्रक्रिया शुरू होने में कुछ देरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति साफ करते हुए कहा है कि हाउस टैक्स में अधिकतम 21% तक की बढ़ोत्तरी ही की गई है, जबकि कई इलाकों में यह पहले से कम भी हुई है। इसके बावजूद, कुछ पूर्व पार्षद और स्थानीय लोग अब भी भ्रम की स्थिति का हवाला देते हुए सवाल उठा रहे हैं। कुल मिलाकर, टैक्स का विवाद भले शांत हो गया हो, लेकिन अब असली परीक्षा सिस्टम को बिना गड़बड़ी के लागू करने की है, जहां एक छोटी सी तकनीकी चूक भी निगम की साख पर सवाल खड़े कर सकती है।

पीएम का राष्ट्र के नाम संबोधन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी ने अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। नारी शक्ति वंदन पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को सुना। एक एक शब्द को विधायक अजितपाल त्यागी ने आत्मसात किया। नारी शक्ति को समर्थन देने की बात की और इस बात से सहमति जताई कि नारी शक्ति का सौ फीसदी आशीर्वाद भाजपा के साथ है। विधायक अजितपाल त्यागी ने कहा कि हम भाजपा की विचारधारा के साथ हैं। भाजपा की विचारधारा हमेशा से नारी सम्मान की रही है।

कनावनी अग्निकांड: 286 परिवारों की तबाही के बीच राहत तेज करने मैदान में उतरे मंत्री

पीड़ितों से मिले असीम अरुण, बांटी राहत सामग्री-अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कनावनी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड के बाद हालात की गंभीरता को देखते हुए सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गए हैं। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने शनिवार को घटनास्थल पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया।

अग्निकांड में करीब 286 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनकी मदद के लिए प्रशासन ने राहत शिविर स्थापित कर भोजन, पानी, चिकित्सा और रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की है। मंत्री ने मौके पर लगभग 100 परिवारों को राहत किट वितरित की, जबकि शेष परिवारों को जल्द सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही करीब 50 परिवारों के खातों में 5000 रुपये की आर्थिक सहायता भी भेजी जा चुकी है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी पीड़ित को राहत से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और पुनर्वास की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत शिविरों की संख्या बढ़ाई जाए, पानी के टैंकरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और सभी प्रभावितों का समुचित चिकित्सा उपचार कराया जाए। साथ ही राहत कार्यों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात करने के भी निर्देश दिए गए।

मौके पर जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें रविंद्र कुमार (जिलाधिकारी), राजकरण नैयर (अपर पुलिस आयुक्त), धवल जायसवाल (उप पुलिस आयुक्त), सौरभ भट्ट, , एसडीएम सदर अरुण दीक्षित एसीपी इंदिरापुरम श्रीवास्तव और रितेश कुमार सिंह शामिल रहे। नगर निगम द्वारा घटनास्थल और राहत शिविरों में 11 पानी के टैंकर लगाए गए हैं, जिससे पेयजल की आपूर्ति बनाए रखी जा सके। प्रशासन का दावा है कि सभी प्रभावितों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह चाक-चौबंद रखी गई है।

कनावनी अग्निकांड ने एक बार फिर शहरी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबसे बड़ी चुनौती प्रभावित परिवारों के शीघ्र पुनर्वास और उन्हें स्थायी राहत प्रदान करने की है।

संपादकीय

दिल्ली एयरपोर्ट, हादसा टला

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के डैने आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। देश में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए विमान सेवाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। मगर इसके साथ-साथ हाल के वर्षों में उड़ानों में सुरक्षा चूक और तकनीकी खराबी की घटनाएं भी चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। ऐसा लगता है कि अब तक हुए छोटे-बड़े हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया है। दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्या वजह है कि एक के बाद एक सुरक्षा चूक के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार के ठोस एवं कारगर प्रयास धरातल पर नजर नहीं आते हैं? इस तरह की घटनाओं में विभागीय कार्रवाई संबंधित कर्मियों को निलंबित करने और जांच प्रक्रिया शुरू करने की औपचारिकता तक ही सीमित रह जाती है। चूक किस वजह से हुई और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी शायद ही कभी सार्वजनिक हो पाती है। दरअसल, देश में विमान सेवाओं का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं हो पाया है। यह बात भी छिपी नहीं है कि विमानों की संख्या के मुकाबले पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और इंजीनियरों की व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इसके अलावा, सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी और पुराने उपकरणों का इस्तेमाल भी हादसों का कारण बनता है। यह विचित्र है कि विमान संचालन के प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह की बारीकियों को अनिवार्य माना जाता है, हवाई पट्टी पर उसे लेकर भी लापरवाही बरती गई। इससे स्पष्ट है कि जब हवाई अड्डे पर ही यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है, तो हवा में सफर के दौरान किस तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। हर हादसे की तरह इस मामले में भी एक वायु यातायात नियंत्रक और दो पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है, लेकिन सवाल है कि महज इस तरह की कार्रवाई से सुरक्षा चूक का स्थायी हल निकल पाएगा? जाहिर है जब तक समस्या की जड़ में जाकर उसे खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाएगा। दिल्ली एयरपोर्ट पर बुधवार को बड़ा हादसा टल गया। एयरपोर्ट पर दो विमानों के डैने आपस में टकरा गए। इस हादसे में दोनों एयरलाइंस के प्लेन को क्षति पहुंची है लेकिन जानमाल की कोई हानि नहीं हुई है। अकासा एयर के प्रवक्ता के अनुसार, गुरुवार (16 अप्रैल 2026) को दिल्ली से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट QP 1406 को वापस बे पर लाना पड़ा। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अकासा का विमान खड़ा हुआ था तभी एक अन्य एयरलाइन के विमान ने उससे टक्कर कर ली।

केंद्र सरकार ने दो फीसदी बढ़ाया महंगाई भत्ता

50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। निर्णय के अनुसार, यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी।

50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को मिलेगा फायदा

इस फैसले का सीधा लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिलेगा। सरकार की इस घोषणा से लगभग 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों के साथ-साथ 69 लाख पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। इससे उनकी मासिक आय में बढ़ोतरी होगी और महंगाई के बीच उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। डीए बढ़ने से कर्मचारियों की मासिक सैलरी और पेंशन में सीधा इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी 7वें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी कर्मचारियों और पेंशनरों पर लागू होगी।

महंगाई के असर को कम करने की कोशिश

महंगाई भत्ता (डीए) का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनरों की आय को महंगाई के प्रभाव से बचाना है। यह बेसिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में तय किया जाता है और हर साल दो बार संशोधित किया जाता है। डीए की गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है, जिसे श्रम मंत्रालय के तहत लेबर ब्यूरो हर महीने जारी करता है।

दीवाली पर भी तीन फीसदी बढ़ा था महंगाई भत्ता

पिछली बार केंद्र सरकार ने दीवाली पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की थी। उस समय (अक्टूबर में) डीए को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी हुआ था। उस बढ़ोतरी का फायदा भी कर्मचारियों और पेंशनर्स को दिया गया था, जिससे उन्हें अतिरिक्त लाभ मिला था।

2030 तक सड़कों से हटेंगे एलपीजी गैस टैंकर

12500 करोड़ के निवेश से सरकार बिछाएगी 2500 किमी लंबी पाइपलाइन

नई दिल्ली। घरों और कमर्शियल उपयोग के लिए एलपीजी गैस की सप्लाई को अब और अधिक सुरक्षित, सस्ता और भरोसेमंद बनाने की तैयारी हो रही है। देश के ऑयल एंड गैस रेगुलेटर, 'पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड' (पीएनजीआरबी) ने बड़े पैमाने पर एलपीजी पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की एक अहम पहल की है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और साल 2030 तक सड़क मार्ग से होने वाले थोक एलपीजी परिवहन को पूरी तरह से खत्म करना है।

2,500 करोड़ रुपये का विशाल निवेश और चार प्रमुख रूट्स: इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत देश भर में कुल 9 पाइपलाइन परियोजनाओं की पहचान की गई है। वर्तमान में पीएनजीआरबी लगभग 2,500 किलोमीटर लंबी चार प्रमुख पाइपलाइनों के लिए बोली प्रक्रिया पूरी करने के अंतिम चरण में है। जिन चार प्रमुख रूट्स पर काम चल रहा है, उनमें चेरलापल्ली-नागपुर, शिक्रापुर-हुबली-गोवा, पारादीप-रायपुर और झांसी-सितारगंज पाइपलाइन शामिल हैं। रेगुलेटर के अनुसार, इन परियोजनाओं में करीब 12,500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने का अनुमान है।

आम आदमी और अर्थव्यवस्था के लिए इसके मायने: वर्तमान में रिफाइनरियों और आयात टर्मिनलों से बॉटलिंग प्लांट तक गैस पहुंचाने के लिए भारी संख्या में सड़क टैंकरों का इस्तेमाल होता है। पाइपलाइन बिछने से यह थोक परिवहन सीधे तौर पर पाइपलाइन व्यवस्था में शिफ्ट हो जाएगा।

रूसी तेल पर छूट बढ़ी, भारत को बड़ी राहत

अमेरिका ने 16 मई तक बढ़ाई खरीद छूट ऊर्जा बाजार को सहारा

नई दिल्ली। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की छूट अवधि 16 मई तक बढ़ा दी है, जिससे भारत के लिए रूस से तेल खरीदना आसान हो जाएगा। यह फैसला वैश्विक ऊर्जा कीमतों को स्थिर रखने और आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल के बीच भारत के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर लगी छूट को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पहले इस छूट को आगे न बढ़ाने के संकेत दिए गए थे। अब इस कदम को ट्रंप प्रशासन का बड़ा यू-टर्न माना जा रहा है।

16 मई तक बढ़ाई गई छूट

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने देर रात नया लाइसेंस जारी कर बताया कि अब देशों को 16 मई तक समुद्री मार्ग से रूसी तेल को खरीदने की अनुमति होगी। इससे पहले यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हो चुकी थी। हालांकि, इस लाइसेंस में ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से संबंधित किसी भी लेन-देन को शामिल नहीं किया गया है।

इस फैसले का मकसद वैश्विक स्तर पर बढ़ती ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करना है, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इससे पहले अमेरिका ने 5 मार्च से भारत सहित कुछ देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी राहत दी थी। बाद में यह छूट अन्य देशों तक भी बढ़ाई गई थी, जिसकी अवधि 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी। इस फैसले से भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने में आसानी होगी। भारत पहले ही रूस से बड़े पैमाने पर तेल आयात कर रहा है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने भरोसा दिलाया है कि रूस भारत को कच्चा तेल, एलपीजी और एलएनजी की सप्लाई और बढ़ाएगा।

उन्होंने भारत को एक विश्वसनीय साझेदार बताया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (उफ्फ्अ) की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में भारत ने रूस से 5.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा, जो फरवरी के 1.54 अरब डॉलर की तुलना में तीन गुना से अधिक है।

भारत बना भरोसेमंद निवेश केंद्र, पूंजी बाजार में मजबूती

बाजार पूंजीकरण 4.4 लाख करोड़ डॉलर, निवेशकों का बढ़ा भरोसा

टेक, हेल्थ और ऊर्जा सेक्टर में बढ़ा निवेश आकर्षण

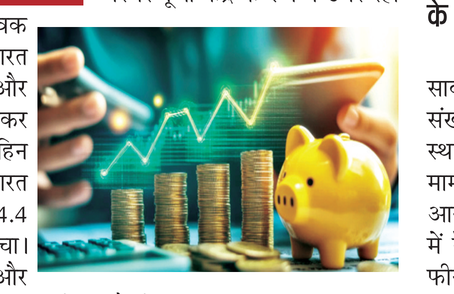

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत का पूंजी बाजार स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है। सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने बताया कि भारत का बाजार पूंजीकरण 4.4 लाख करोड़ डॉलर पहुंचा। 2025-26 में इक्विटी और ऋण बाजार से 154 अरब डॉलर जुटे। तकनीक, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश से भरोसा और बढ़ा है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पूंजी बाजार को स्थिर तथा भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जा रहा है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर एक स्थिर पूंजी केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 4.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों ने इस धारणा को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने इक्विटी और ऋण बाजारों के जरिए कुल 154 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।

क्या कहते हैं आरबीआई के आंकड़ें

वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। आरबीआई के मुताबिक, 2025-26 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो बाजार की मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की परिसंपत्तियां करीब 780 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का आकार भी बढ़कर करीब 650 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

रोचक तथ्यों का करंट

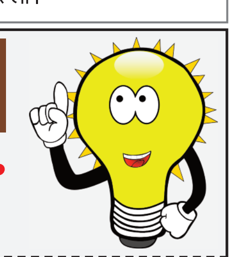

- चीनी को जब चोट पर लगाया जाता है, तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
- शीर्ष दूध पीने वाला देश फिनलैंड में लगभग 95 गैलन दूध / व्यक्ति / वर्ष है। शीर्ष 5 देश दूध पीने के मामले में सबसे ऊपर हैं, फिनलैंड (361.1 9 किलो), स्वीडन (355.86 किलो), नीदरलैंड (320.15 किलो), स्विट्जरलैंड (315 किलो) और ग्रीस (314.6 9 किलो) हैं।
- एक प्रकार का प्लास्टिक बनाने के लिए दूध का उपयोग किया जा सकता है जो गंधहीन, बायोडिग्रेडेबल, एंस्टीटिक, पानी में अघुलनशील और लगभग गैर ज्वलनशील है।
- दूध नॉर्थ डकोटा का आधिकारिक राज्य पेय है!
- जो देश दूध पीते हैं, वह स्मार्ट हैं और नोबेल पुरस्कार जीतने में ज्यादा सक्षम हैं!
- दूध प्रोटीन का प्रयोग लेटेक्स के निर्माण में किया जाता है, जिसका अर्थ है कि ज्यादातर कंडोम में दूध प्रोटीन होता है।
- कनाडा में, गाय को कृत्रिम हार्मोन से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए देने के लिए अवैध है।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, होशियार लोग ज्यादातर अपने आप से बातें करते हैं।
- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।

जहाजों को रास्ता देने के लिए बना रहा नया नियम

मित्र देशों पर आ सकती है आंच

नई दिल्ली। ईरान ने होर्मुज पर पारंपरिक शुल्क नहीं लगाने, लेकिन सुरक्षा शुल्क लागू करने की योजना जताई है। जहाजों की आवाजाही ईरान की अनुमति और तय मार्गों के तहत होगी, जबकि अमेरिकी और इस्राइली सैन्य जहाजों पर रोक की बात कही गई है। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान ने बड़ा संकेत दिया है। ईरान ने कहा है कि वह पारंपरिक ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाएगा, लेकिन जलडमरूमध्य की सुरक्षा से जुड़े नए शुल्क ढांचे पर काम चल रहा है, जिसके तहत जहाजों की आवाजाही सख्त नियंत्रण में होगी। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने अल जजीरा से बातचीत में बताया कि तेहरान ऐसा कानून तैयार कर रहा है, जिसमें शुल्क सुरक्षा समन्वय से जुड़े होंगे, न कि सामान्य पारगमन शुल्क। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले सभी

जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। रेजाई ने साफ किया कि शत्रुतापूर्ण सैन्य जहाजों, खासकर अमेरिका और इस्राइल से जुड़े पोतों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं मित्र देशों के जहाजों को पूर्व समन्वय के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

2026 की शुरूआत में शिपमेंट 3% घटा, छह साल का सबसे कमजोर प्रदर्शन

नई दिल्ली। 2026 की पहली तिमाही में भारत के स्मार्टफोन बाजार में सुस्ती साफ दिखी। काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के मुताबिक शिपमेंट में सालाना 3% गिरावट आई, जो छह साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। बढ़ती कीमतें, लागत में इजाफा और कमजोर मांग इसके मुख्य कारण हैं। खासकर 15,000 रुपये से कम वाले फोन की बिक्री ज्यादा गिरी।

जनवरी से मार्च 2026 तक भारत के स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के पहले तीन महीनों के दौरान भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 3 फीसदी की गिरावट आई। ये पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी, कंपनियों द्वारा कीमतें बढ़ाना और कमजोर उपभोक्ता मांग इन तीनों कारकों ने बाजार पर दबाव डाला। बढ़ते दामों के कारण खुदरा बिक्री पर असर पड़ा, जबकि लॉन्च गतिविधियां अधिक होने के बावजूद बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं आई। 15,000 रुपये से कम वाले फोन की बिक्री में सबसे अधिक कमी आई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के निदेशक तरुण पाठक ने कहा कि लगातार तीन तिमाहियों में स्मार्टफोन महंगे हुए हैं।

वीवो 21% मार्केट शेयर के साथ पहले स्थान पर।
सैमसंग दूसरे स्थान पर, सीरीज-ए और गैलेक्सी र26 की मजबूत मांग।
ओप्पो 14% हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर, टॉप-5 में सबसे तेज बढ़त।
शाओमी चौथे स्थान पर, 10,000झ20,000 रुपये सेगमेंट में सबसे मजबूत।
एप्पल ने 9% बाजार हिस्सेदारी हासिल की।
नथिंग 47% वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड।
45,000 रुपये से अधिक के प्रीमियम सेगमेंट में गूगल 39% वृद्धि के साथ आगे।

अमेरिकी स्मार्टफोन की 40% आपूर्ति भारत से

भारत ने अमेरिका की स्मार्टफोन आपूर्ति शृंखला में महत्वपूर्ण जगह बना ली है। मैकेंजी एंड कंपनी के मुताबिक, भारत अब अमेरिका की लगभग 40 फीसदी मांग पूरी कर रहा है। पहले इस पर चीन का कब्जा था। यह उछाल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आपूर्ति शृंखला में बढ़ती ताकत का प्रतीक है

राशिफल

मेष: यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विरोध होगा।

वृष: कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मिथुन: पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी संत-महात्मा का आशीर्वाद मिल सकता है। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

कर्क: चोट व दुर्घटना से बचें। शारीरिक हानि हो सकती है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कारोबार ठीक चलेगा।

सिंह: विवाह के उम्मीदवारों को विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है। घर-परिवार की चिंता रहेगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या: भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं का पराभव होगा। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं।

तुला: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के साथ समय सुखद व्यतीत होगा।

वृश्चिक: बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के इस्तेमाल से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु: मेहनत का फल पूरा-पूरा प्राप्त होगा। रिश्तेदारों तथा मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर: माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। खर्च होगा। शरीर के ऊपरी हिस्से में कष्ट संभव है। अच्छी खबर प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कुंभ: भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होकर सहयोग मिलेगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

मीन: अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। कानूनी अड़चन आ सकती है। लापरवाही न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

चुटकुले

टीचर: बताओ बिजली कहां से आती है?
स्टूडेंट: मामा के घर से!
टीचर: कैसे?
स्टूडेंट: क्योंकि जब भी बिजली जाती है, पापा कहते हैं फिर मामा ने काट दी!

पत्नी: सुनो जी, आपकी याददाश्त कमजोर होती जा रही है।
पति: ऐसा कैसे?
पत्नी: अभी आपने मुझसे 5 मिनट पहले क्या कहा था?
पति: क्या कहा था?
पत्नी: यही तो मैं कह रही हूँ!

दोस्त: भाई, तू इतना परेशान क्यों है?
मैं: यार, गर्लफ्रेंड ने छोड़ दिया
दोस्त: अरे!
मैं: और जो नहीं थी, उसने भी मना कर दिया

डॉक्टर: तुम रोज 8 घंटे सोते हो?
मरीज: हां डॉक्टर साहब
डॉक्टर: फिर भी थके क्यों रहते हो?
मरीज: क्योंकि 8 घंटे मोबाइल चलाता हूँ

पापा: बेटा, पढ़ाई कैसी चल रही है?
बेटा: बस पापा चल तो रही है, लेकिन पहुंच कहीं नहीं रही

मास्टर: अगर धरती से चाँद दूर है, तो हम उसे देख कैसे लेते हैं?
स्टूडेंट: सर, दूर के ढोल सुहावने होते हैं

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी

अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरूआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया।

इस दौरे की शुरूआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया। 14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरूआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे।

16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37) दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो।

अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी। यह दौरा उनकी तैयारियों का एक अहम हिस्सा रहा है, जिसने टीम को विरोधी टीम के घर पर एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव दिया है।

चिन्नास्वामी में आरसीबी का कीर्तिमान, लगा दिया खास शतक

नई दिल्ली। आरसीबी आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी में 100वां मैच खेल रही है। ऐसा करके आरसीबी की टीम आईपीएल इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली टीम बन गई। इस खास मौके को और यादगार बनाने के लिए टीम ग्रीन जर्सी में उतरी है और जीत के साथ इस ऐतिहासिक दिन को सेलिब्रेट करना चाहेगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर चुकी है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरते ही आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर 100 मैच खेलने वाली आईपीएल इतिहास की पहली टीम बन गई है। यह खास मुकाबला उस दिन खेला जा रहा है जब आईपीएल अपने 19 साल पूरे कर रहा है, जिससे इस रिकॉर्ड का महत्व और बढ़ जाता है।

आईपीएल की शुरूआत भी इसी मैदान से: दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल का पहला मुकाबला भी इसी मैदान पर 18 अप्रैल 2008 को खेला गया था, जहां आरसीबी का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ था। उस मैच में ब्रेंडन मैकुलम ने 158* रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी, जिसमें 10 चौके और 13 छक्के शामिल थे। उनकी उस पारी की बदौलत केकेआर ने 222 रन बनाए और आरसीबी को 140 रन से हराया। आरसीबी की टीम, जिसमें राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और युवा विराट कोहली शामिल थे, सिर्फ 82 रन पर सिमट गई थी। यह आज भी इस मैदान पर आरसीबी का सबसे कम स्कोर है।

चिन्नास्वामी के यादगार रिकॉर्ड

आरसीबी ने इस मैदान पर कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए हैं। 2013 में क्रिस गेल ने पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ नाबाद 175 रन की पारी खेली थी, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

दूसरे टीमों से आगे आरसीबी

होम ग्राउंड पर सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में आरसीबी अब अन्य टीमों से आगे निकल गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ईडन गार्डन्स में 98 मैच खेले हैं, जबकि मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े स्टेडियम में 95 मुकाबले खेले हैं। इस तरह आरसीबी का यह रिकॉर्ड आईपीएल इतिहास में एक नई मिसाल बन गया है। इस खास मौके पर आरसीबी अपनी पारंपरिक रेड जर्सी के बजाय ग्रीन जर्सी में मैदान पर उतरी है। यह उनकी 'ग्रीन इनिशिएटिव' का हिस्सा है, जिसके जरिए टीम पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। इस सीजन आरसीबी का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। टीम ने पांच मैचों में चार जीत हासिल कर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया हुआ है। ऐसे में टीम इस ऐतिहासिक मैच को जीत के साथ और यादगार बनाना चाहेगी।

मध्यक्रम में अपनी भूमिका पर नहीं खरा उतर पा रहा का केकेआर फिनिशर

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में नौ अप्रैल को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच खेला गया था। इस मैच ने भारतीय क्रिकेट को रिंकू सिंह के रूप में एक बड़ा सितारा दिया था जिसके दिन आजकल गर्दिश में चल रहे हैं। पहले नौ अप्रैल को हुए उस मैच को याद कर लेते हैं। 205 रन के लक्ष्य का सामना कर रही केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 29 रन चाहिए थे। क्रीज पर रिंकू सिंह 16 गेंदों पर 18 और उमेश यादव पांच गेंदों पर चार रन बनाकर खेल रहे थे। आखिरी ओवर में इतने रन बनाकर कोई टीम नहीं जीती थी, इसलिए केकेआर जीत की उम्मीद छोड़ चुकी थी, लेकिन उस मैच के आखिरी ओवर में जो हुआ वो क्रिकेट इतिहास की रोमांचक यादों में दर्ज हो गया।

पिछले कुछ वर्षों में रिंकू केकेआर के अहम स्तंभ बन गए हैं, लेकिन मौजूदा सीजन में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है

जब पांच गेंदों पर पांच छक्के

लगाकर बने स्टार : गुजरात टाइटंस की तरफ से गेंदबाजी के लिए आए यश दयाल की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लेकर स्ट्राइक रिंकू सिंह को दे दी। इसके बाद रिंकू ने लगातार पांच छक्के लगाते हुए केकेआर को जीत दिला दी। क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था जब किसी बल्लेबाज ने लगातार पांच छक्के लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई थी। रिंकू 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद लौटे।

केकेआर ने रिंकू सिंह में हमेशा अपना भविष्य देखा। टीम ने श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ियों को जाने दिया लेकिन आईपीएल 2025 में उन्हें 13 करोड़ रुपये देकर टीम में बरकरार रखा। नौ अप्रैल 2023 को रातों-रात सुपरस्टार बने रिंकू सिंह के प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। आईपीएल 2025 के 13 मैचों की 11 पारियों में 206 रन बनाने वाले रिंकू आईपीएल 2026 के छह मैचों की पांच पारियों में महज 79 रन बना सके हैं। उनका औसत 19.75 रहा है।

केकेआर ही नहीं, भारत के भी बने फिनिशर

इस मैच के बाद रिंकू सिंह न सिर्फ केकेआर के, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली और भरोसेमंद चेहरे के रूप में उभरे। उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम में मौका मिला। टीम इंडिया के लिए भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिनिशर के रूप में कई अच्छी पारियां उनके बल्ले से आईं। हालांकि, वह भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू का विश्व कप के शुरूआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था और उनकी जगह संजू सैमसन को टीम में जगह दी गई थी।

रिंकू की फॉर्म में गिरावट ने खड़े किए सवाल

रिंकू को बल्लेबाजी के लिए चौथे क्रम पर भेजा जाए या फिर छठे क्रम पर रन नहीं बन रहे। रिंकू सिंह की फॉर्म में गिरावट केकेआर प्रबंधन और भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए चिंता का विषय है और उनके भविष्य पर भी सवाल खड़े करता है। रिंकू सिंह को केकेआर के मध्यक्रम का सबसे मजबूत बल्लेबाज माना जा रहा था और उन्हें एक ऐसे फिनिशर के रूप में देखा जा रहा था जिसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। रिंकू ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीम के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है, बल्कि अपनी मुसीबतें भी बढ़ा ली हैं।

इस सीजन के बाद केकेआर से हटाए जाएंगे अभिषेक नायर

नए कोच को लेकर पीटरसन की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

कोलकाता। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने केकेआर की खराब हालत के बाद कहा है कि अगले सीजन इस फ्रेंचाइजी को नया कोच मिल सकता है। हालांकि, उन्होंने जिस दिग्गज का नाम लिया है, वह खुलासा चौंकाने वाला है। वह दिग्गज फिलहाल एक राष्ट्रीय टीम का कोच है और पीटरसन के बयान से लगता है कि बतौर राष्ट्रीय कोच वह दिग्गज अपने पद से हटाए जा सकते हैं, जिसके बाद उनका अगला ठिकाना केकेआर होगा।

आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) बेहद निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। केकेआर सीजन के शुरूआती छह मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। शुक्रवार को अहमदाबाद में खेले गए मैच में केकेआर को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर की लगातार हार के बाद कोच अभिषेक नायर और कप्तान अंजिक्य रहाणे निशाने पर हैं। सोशल मीडिया पर दोनों के खिलाफ अपना पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। उनका मानना है कि अगले सीजन केकेआर का ही एक पूर्व खिलाड़ी और पूर्व कोच कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल सकता है।

मैकुलम बनेंगे नए कोच?

पीटरसन कहना है कि अगले आईपीएल सीजन में ब्रेंडन मैकुलम केकेआर के नए कोच हो सकते हैं। पीटरसन ने सोशल मीडिया के माध्यम से ये बात कही। हालांकि, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान मैकुलम फिलहाल इंग्लैंड की पुरुष टीम के कोच हैं और उनका कार्यकाल 2027 तक है। पीटरसन ने केकेआर के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह भविष्यवाणी की है, लेकिन बतौर इंग्लैंड हेड कोच मैकुलम का प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है। अगर इंग्लैंड के प्रदर्शन में सुधार नहीं आया, तो उन्हें उनके पद से हटाया भी जा सकता है। इसके बाद उनका अगला ठिकाना केकेआर हो सकती है।

नीरज चोपड़ा-सुमित अंतिल ने कोच नवल पर लगाए मानसिक उत्पीड़न के आरोप

नई दिल्ली। पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल ने कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है, जिसका समर्थन नीरज चोपड़ा समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी किया। मामले की शिकायत साइ से की गई है।

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और मौखिक दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत का समर्थन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने भी किया है। अंतिल ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को लिखित शिकायत में कहा कि कोच नवल सिंह न केवल उनका मानसिक उत्पीड़न करते थे, बल्कि उनके और नीरज चोपड़ा के परिवारों के साथ भी अभद्र व्यवहार करते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोच जानबूझकर अपमानजनक बातें रिकॉर्ड कर टीम प्रबंधन तक पहुंचाते थे, ताकि यह बातें खिलाड़ियों तक पहुंचें।

साइ ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि नवल सिंह उनके कर्मचारी नहीं हैं। वे एएफआई द्वारा राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के तहत एक अन्य शीर्ष खिलाड़ी को ट्रेनिंग दे रहे हैं।

अन्य खिलाड़ियों का समर्थन

अंतिल ने बताया कि उनकी शिकायत का समर्थन नीरज चोपड़ा के अलावा पैरा-एथलीट नवदीप सिंह और संदीप चौधरी ने भी किया है। उन्होंने कहा कि शिकायत किए एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई या आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर शीर्ष खिलाड़ियों की बात नहीं सुनी जाती, तो अन्य खिलाड़ियों को न्याय कैसे मिलेगा।

विवाद की पृष्ठभूमि: कोच नवल सिंह को 2015 में द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला था और वे फिलहाल उभरते भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

क्या भारतीय टी-20 टीम में वापसी कर पाएंगे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। वानखेड़े में हुए मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले खेलते हुए छह विकेट पर 195 रन बनाए थे। पंजाब ने 16.3 ओवर में पांच विकेट पर 198 रन बनाकर मैच जीता। पंजाब के लिए प्रभसिमरन ने 39 गेंदों पर नाबाद 80 और अय्यर ने 35 गेंदों पर 66 रन बनाए।

पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। टीम ने सीजन में अब तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। गुरुवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। पंजाब के शानदार प्रदर्शन में श्रेयस अय्यर का बतौर कप्तान और बल्लेबाज अहम योगदान रहा है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि जिस तरह का प्रदर्शन श्रेयस कर रहे हैं, उसे देखते हुए वह भारतीय टी20 टीम में मजबूत वापसी से ज्यादा दूर नहीं हैं। पठान ने पंजाब किंग्स के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी।

इरफान ने की प्रभसिमरन की तारीफ

जियोस्टार से बात करते हुए इरफान पठान ने कहा, 'पंजाब किंग्स शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में दिखी। उनकी योजना साफ थी। अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से शानदार तरीके से लय बनाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए उनके कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और पूरे समय नियंत्रण में रहे। एक खिलाड़ी जो मेरे लिए सबसे अलग था, वह प्रभसिमरन सिंह थे। विकेटकीपर और ओपनर के तौर पर दोहरी भूमिका निभाते हुए, उन्होंने बहुत परिपक्वता दिखाई है। पिछले सीजन में, वह इस रोल में नहीं थे, लेकिन इस साल, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने जो संयम दिखाया, उससे पंजाब का प्रदर्शन और शानदार हो गया है।'

श्रेयस की वापसी पर इरफान की राय: श्रेयस अय्यर के भारत की टी20 टीम में वापसी की संभावनाओं पर पठान ने कहा, 'बेशक एमआई के खिलाफ वो पारी नहीं आई होती, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि श्रेयस अय्यर दावेदारी में होते। मैंने यह बात बहुत पहले से कही है क्योंकि उनके पास बीच के ओवरों के लिए जरूरी स्किल सेट है।

वह स्पिन को बहुत अच्छी तरह खेलते हैं और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की तकनीक भी रखते हैं। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ काफी सुधार किया है, लेकिन उनकी मुख्य ताकत स्पिन पर हावी होकर डटे रहने और अच्छा प्रदर्शन करने की है। उनमें एक लीडर की सभी खूबियां भी हैं।

चोटिल डेविड पेन की जगह सनराइजर्स की टीम में आया तूफानी गेंदबाज

अहमदाबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल डेविड पेन की जगह दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को आईपीएल 2026 के बाकी सीजन के लिए टीम में शामिल किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के बीच बड़ा फैसला लेते हुए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को इंग्लैंड के डेविड पेन की जगह टीम में शामिल किया है।

दो करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी से जुड़े कोएत्जी: फ्रेंचाइजी ने कोएत्जी को दो करोड़ रुपये में टीम में जोड़ा है। कोएत्जी के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा अनुभव है, उन्होंने अब तक चार टेस्ट, 14 वनडे और 18 टी20 मुकाबलों में कुल 67 विकेट लिए हैं। आईपीएल में अनुभव की बात करें तो वह पहले मुंबई इंडियंस (2024) और फिर गुजरात टाइटंस (2025) की टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

मंधाना ने तोड़ा हिटमैन का रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली भारतीय

डरबन। मंधाना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। अब उनकी नजर बाबर को भी पीछे छोड़ने पर है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है।

भारतीय महिला टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने इतिहास रच दिया है। वह पुरुषों और महिलाओं को मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दुनिया भर के बल्लेबाजों को मिलाकर बाबर आजम को पीछे छोड़ने के करीब हैं। हालांकि, भारतीय महिला टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

13 रन बनाकर भी तोड़ा रोहित का रिकॉर्ड

डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच में मंधाना हालांकि बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। वह सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन इन 13 रनों की बदौलत उन्होंने रोहित के 4231 रनों के आंकड़े को पार कर लिया।

अब मंधाना के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 161 मैचों की 155 पारियों में 4244 रन दर्ज हो गए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 124.39 का रहा है। इसमें 33 अर्धशतक और एक शतक शामिल है।

रोहित और बाबर के नाम कितने रन: वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके रोहित ने 159 टी20 की 151 पारियों में 4231 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 140.90 का रहा था। इनमें 32 अर्धशतक और पांच शतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में पुरुषों में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम है। बाबर ने 145 मैचों में 128.02 के स्ट्राइक रेट से 4596 रन बनाए हैं। इनमें 39 अर्धशतक और तीन शतक शामिल हैं।

मंधाना बाबर के आंकड़े से 352 रन दूर हैं। वहीं, महिलाओं में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम हैं। बेट्स ने 181 मैचों में 4717 रन बनाए हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन (महिला)

खिलाड़ी	मैच	रन	स्ट्राइकरेट	शतक	अर्धशतक
सूजी बेट्स	181	4717	108.56	1	28
स्मृति मंधाना	161	4244	124.38	1	33
हरमनप्रीत कौर	191	3869	109.20	1	15
चमारी अटापट्टू	154	3637	110.58	3	14
सोफी डिवाइन	151	3587	121.55	1	23

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन (पुरुष)

खिलाड़ी	मैच	रन	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक
बाबर आजम	145	4596	128.02	3	39
रोहित शर्मा	159	4231	140.89	5	32
विराट कोहली	125	4188	137.04	1	38
जोस बटलर	155	4037	147.76	1	28
पॉल स्टर्लिंग	163	3895	134.35	1	24

भारत-द. अफ्रीका मैच में क्या हुआ

मैच की बात करें तो भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमों के बीच शुक्रवार को पांच टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्डट ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पारी की शुरूआत की और पहले विकेट के लिए पांच ओवर में 46 रन जोड़े। वर्मा 20 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुईं। इसके ठीक बाद मंधाना भी 13 रन बनाकर आउट हो गईं।

सरफराज अहमद बने नए मुख्य कोच

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम का एलान

कराची। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नई टीम और कोचिंग स्टाफ का एलान किया है। सरफराज अहमद को हेड कोच बनाया गया है, जबकि शान मसूद टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन रखा गया है, और पाकिस्तान इस सीरीज के जरिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

सरफराज अहमद को पाकिस्तान टेस्ट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले यह बड़ा फैसला लिया है। सरफराज के साथ असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

शान मसूद की कप्तानी में नई टीम

इन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया गया है, जिसकी कमान शान मसूद संभालेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान फिलहाल पांचवें स्थान पर है और बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेगा। टीम में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो टीम को मजबूती देंगे।

नए खिलाड़ियों को मिला मौका

इस बार चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया है। अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान अवैस और गाजी घोरी को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसके आधार पर उन्हें मौका मिला है। खासतौर पर बाएं हाथ के बल्लेबाज फजल और अवैस ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि अमाद बट एक ऑलराउंडर के तौर पर टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

सीरीज का शेड्यूल और तैयारी

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट आठ से 12 मई तक शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

सीरीज से पहले पाकिस्तान के खिलाड़ी 27 अप्रैल से एक मई तक कराची में रेड-बॉल ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेंगे, जिससे टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सके।

गाजियाबाद आसपास

पोषण पखवाड़ा के तहत फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

मोदीनगर, करंट क्राइम। शासन के निर्देश पर बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा भोजपुरी ब्लॉक क्षेत्र में 9 से 23 अप्रैल तक संचालित पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा व अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। तीन थीमों पर आधारित इस पखवाड़े का उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था में पोषण, मस्तिष्क विकास तथा खेल आधारित शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक डॉ0 मंजू शिवाच ने कहा कि पोषण पखवाड़ा जैसी पहलें समाज में जागरूकता का सशक्त माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छोटे बच्चों के संतुलित पोषण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। स्वस्थ बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है, इसलिए इस दिशा में सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में खेल आधारित शिक्षा बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों में सीखने की रुचि विकसित हो रही हैए जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास संतुलित रूप से संभव हो पा रहा है। प्रतियोगिता में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने विविध वेशभूषा में प्रस्तुति देकर अतिथियों का ध्यान आकृष्ट किया। अतिथियों ने प्रतिभागी बच्चों को प्रतीकात्मक उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

महिला आरक्षण संशोधन बिल गिर जाने पर महिलाओं ने जताया आक्रोश

मोदीनगर, करंट क्राइम। विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक भोजपुर में आयोजित महिला महाआक्रोश अभियान कार्यक्रम में सम्मिलित होकर माताओं-बहनों ने महिला आरक्षण संशोधन बिल गिर जाने पर अपना विरोध प्रदर्शन जाहिर किया। महिला आरक्षण संशोधन बिल गिर जाने के बाद महिलाओं में गहरा आक्रोश और निराशा देखने को मिली। महिलाओं ने कहा कि जब महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर पूरे देश को एकजुट होना चाहिए था, तब विपक्ष की नकारात्मक राजनीति के कारण यह बिल आगे नहीं बढ़ सका। बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता एवं क्षेत्र की महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठाई। इस दौरान विधायक डॉ0 मंजू शिवाच व ब्लाक प्रमुख सुचेता सिंह सहित अनेक महिलाऐं शामिल रही।

निजी स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर विरोध प्रदर्शन

22 प्रतिशत फीस वृद्धि को वापस लिये जाने व नीजी स्कूलों द्वारा एक ही बुक स्टॉल से किताबें खरीदने जैसी बाध्यता को समाप्त करने की मांग की

मोदीनगर, करंट क्राइम। नीजी स्कूलों में फीस वृद्वि के विरूद्व शनिवार को अभिभावकों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और प्रशासन से नीजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाये जाने की मांग उठाई।

शनिवार को सैकड़ों की संख्या में नीजी स्कूल के विरूद्व अभिभावकों ने मोर्चा खोलते हुये हापुड़ रोड़ स्थित गांधी मैदान में एकजुट होकर तहसील मुख्यालय तक नारेबाजी करते हुये जुलूस निकाला और उपजिलाधिकारी अजीत सिंह को एक ज्ञापन सौपते हुये नीजी स्कूलों में की गई 22 प्रतिशत फीस वृद्वि को वापस लिये जाने व नीजी स्कूलों द्वारा एक ही बुक स्टॉल से किताबें खरीदने जैसी बाध्यता को समाप्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों को नेतृत्व कर रहे यागेन्द्र बल्हारा ने बताया कि नीजी सकूलों में बच्चों को शिक्षा दिलायें जाना आज मुश्किल हो गया है। नीजी सकूल संचालक अपनी मनमानी पर उतारू है, जिस कारण अभिभावकों में रोष है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही फीस बढोतरी व मनमाने तरीके से किताबों की बिक्री पर रोक नही लगाई गई, तो गांधी मैदान में बड़ा प्रदर्शन किया जायेंगा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों में सैकड़ों अभिभावक मौजूद रहे।

घर का ताला तोड़ की 80 हजार की नकदी चोरी

मोदीनगर, करंट क्राइम। शास्त्री नगर कॉलोनी में एक मकान से 80 हजार रुपये नकद और जेवरात चोरी हो गए। बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय परिवार घर पर मौजूद नहीं था।

शास्त्री नगर कॉलोनी निवासी सीमा जो मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर एक होटल चलाती हैं, देर रात परिवार के साथ किसी काम से बाहर गई थीं। सुबह जब वह घर लौटीं, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ने के बाद घर में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने सेफ और अलमारी के ताले भी तोड़ दिए। बदमाशों ने सेफ में रखे 80 हजार रुपये नकदए जेवरात और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। पीड़िता सीमा ने इस संबंध में स्थानीय थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाड़ी के पास खड़े होने पर दंपती से विवाद, आरोपी धरा

नोएडा। गौड़ सिटी-2 स्थित व्हाइट ऑर्किड मार्केट में शुक्रवार रात गाड़ी के पास खड़े होने को लेकर हुए विवाद में बिसरख कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक पर मुस्लिम दंपती से अभद्रता का आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। जानकारी के अनुसार, युवक ने दंपती से नाम और पहचान पूछना शुरू किया और फिर उन्हें परेशान करने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक के व्यवहार से लोगों में नाराजगी फैल गई। वहां मौजूद एक अन्य महिला और लोगों ने युवक को रोकने की कोशिश की। वहीं, पुलिस का कहना है कि पीड़ित इमरान पत्नी के साथ आरोपी मुकेश कुमार की गाड़ी के पास खड़े थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है।

बार एसोसिएशन मोदीनगर द्वारा भगवान परशुराम की जयंती मनाई गई

मोदीनगर, करंट क्राइम। तहसील परिसर मोदीनगर में बार एसोसिएशन मोदीनगर द्वारा भगवान परशुराम की जयंती मनाई गई। जिसमें द्वितीय विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपजिलाधिकारी अजीत सिंह द्वारा पूजा करके किया गया। इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार मुकेश कुमार, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगबीर सिंह, सचिव नकुल त्यागी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत कुमार, सहसचिव अरुण शर्मा, कोषअध्यक्ष देवेश भारद्वाज, व रविंद्र चैधरी एडवोकेट, राजकुमार गुप्ता, उत्तम त्यागी, एडवोकेट सौरभ मुद्गल, एडवोकेट सचिन शर्मा, एडवोकेट संजय मुद्गल, एडवोकेट विजय वशिष्ठ, एडवोकेट अनुराग गुप्ता, एडवोकेट कुलदीप बंसल, एडवोकेट सुधीर वशिष्ठ, एडवोकेट सोनी कुशवाहा, एडवोकेट विशाल शर्मा, एडवोकेट गुलशन भटनागर, एडवोकेट तेजवीर सिंह, एडवोकेट जगपाल सैनी, एडवोकेट कपिल त्यागी, एडवोकेट निशांत त्यागी, एडवोकेट गौरव मुद्गल, एडवोकेट सुदेश शर्मा, एडवोकेट प्रेमवीर सिंह राठी, एडवोकेट संजीव कौशिक, एडवोकेट प्रदीप शर्मा, बैनामा लेखक सचिव श्रीपाल, अध्यक्ष बैनामा लेखक बृजेश शर्मा, एडवोकेट पुनीत चैधरी आदि मौजूद रहे।

वेतन वृद्धि और अवकाश की मांग को लेकर कर्मचारियों का हंगामा

मौके पर पहुंची पुलिस ने संभाला मोर्चा

हापुड़। हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र की दो कंपनी ब्लिंकिट और आज में वेतन वृद्धि और अवकाश की मांग को लेकर कर्मचारियों ने हंगामा कर दिया। अचानक हुए प्रदर्शन से माहौल तनावपूर्ण हो गया और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

घटना में कार्यरत कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए वेतन बढ़ाने और नियमित अवकाश देने की मांग उठाई। इसी दौरान कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एकजुट होकर जोरदार विरोध शुरू कर दिया। स्थिति तेजी से बिगड़ती देख मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और हालात को काबू में लेने के लिए मोर्चा संभाला।

हंगामे के दौरान कई कर्मचारियों ने अपनी पहचान उजागर करने से साफ इनकार कर दिया। कार्रवाई के डर से कर्मचारी खुलकर सामने नहीं आए, लेकिन आक्रोश साफ दिखाई दिया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा था, जिसके चलते यह स्थिति बनी। सीओ अनीता चौहान के अनुसार मौके पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी को भी कानून हाथ में लेने नहीं दिया जाएगा और पूरे मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शराब के पव्वे में आग लगाकर 11 वर्षीय बच्चे पर हमला, गंभीर

हापुड़,करंट क्राइम। नगर के मोहल्ला मलवा कॉलोनी में बृहस्पतिवार रात को मदरसे से अपनी मां के साथ लौट रहे 11 वर्षीय बच्चे पर दो अज्ञात युवकों ने जलते हुए शराब के पव्वे से हमला कर दिया। इस हमले में बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। महमाई मार्ग पर स्थित मलवा कॉलोनी निवासी राकिब का 11 वर्षीय बेटा बृहस्पतिवार को अपनी मां के साथ मदरसे से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाइक सवार दो युवक पहुंचे। युवकों ने शराब के पव्वे में आग लगाकर सीधे बच्चे के ऊपर फेंक दिया। अचानक हुए इस हमले से बच्चा संभल भी नहीं पाया और उसके पेट का हिस्सा बुरी तरह जल गया। हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गए, जबकि बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना के तुरंत बाद बच्चे की मां ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मेरठ के बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल बच्चे का उपचार चल रहा है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

मैट्रो पार्किंग के लिए क्या कर दिया गया हिंडन विहार का रास्ता बंद

लोगों ने कहा करेंगे विरोध और लड़ेंगे इस अन्याय के खिलाफ जंग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हिंडन विहार के लोग इन दिनों रास्ता बंद होने से परेशान हैं। हिन्डन विहार में मंदिर वाली गली के पास से जाने वाले रास्ते को बंद कियागया है। यहां रहने वाले लोगों को खासी परेशानी का सामना करनापड़ रहा है। लोगों का कहना है कि ये रास्ता पिछले 40 वर्षो से बना हुआ है लेकिन अब अचानक इसे बंद कर दियागया है। एक बड़ी आबादी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर नारी जागरण विकास संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष लज्जा यादव ने आवाज उठायी है। उन्होंने इस रास्ता बंद करने की कार्यवाही को लोकतंत्र विरोधी बताया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए बाकायदा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गयी है। यह हजारों लोगों की एक आम सुविधा से जुड़ा मामला है। उन्होंने भाजपा के पूर्व सांसद रमेशचंद तोमर से भी इस मामले पर बात की है और सोमवार को क्षेत्र के लोगों के साथ नगरायुक्त से मिलकर पूरी बात रखी जायेगी। बताया जाता है कि यह भूमि विगत कई वर्षों से खाली है और अब इसपर मैट्रों के लिए पार्किंग बनाने की तैयारी चल रही है। इस मामले में नगर निगम के अवर अभियंता से जब लोगों ने बात की तो उन्होंने सुपरवाईजर से बात करने को कहा। क्षेत्र के लोग बताते हैं कि सुपरवाईजर ने बता दियाकि हिन्डन विहार के लोगों का रास्ता दूसरी तरफ से है और यह जगह नगर निगम की है। और यहां से रास्ता संभव नहीं है। जबकि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यहां तीन गली है और गलियों का हाल बुरा है, सफाई व्यवस्था ध्वस्त है। अब नयी परेशानी रास्ता बंद होने की आ गयी है। लोगों का कहना है कि वो नगर निगम जायेंगे ओर नगरायुक्त से मिलेंगे। अगर यह नगर निगम की जमीन है तो भी नगर निगम हजारों लोगों के रास्ते को तो नहीं बंद करेगा, हमें उम्मीद है कि समस्या का समाधान निकलेगा।

स्थानीय लोगों में बाबू खान, खलील अंसारी, इंकबाल मलिक, सोएब, दीपक शर्मा, रियाज चौधरी, मुन्नवर चौधरी, आसिफ खान, नदीम सिद्दीकी, गुड्डू इदरीशी ,आसिफ इकबाल आदि ने भी पत्र लिखकर नागरिकों को इंसाफ दिलाने की मांग की है। इन सभी लोगों का कहना है कि हम निगम के किसी काम में बाधा नहीं है लेकिन हमारी सिफ इतनी मांग है कि हजारों लोगों के लिए बने रास्तों को बंद ना किया जाये।

छात्र की मौत के बाद परिवार में पसरा मातम

नोएडा। सड़क हादसे में छात्र की मौत के बाद शनिवार को परिवार में मातम पसरा रहा। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने छात्र के शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया, जिसके बाद उसे सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जेवर-टप्पल रोड निवासी आठवीं का छात्र उमर मोहम्मद अंडर-15 की हैंडबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अपनी टीम के साथ संभल गया था। शुक्रवार को लौटते वक्त दादरी के पास बस से उतरने के दौरान वह सड़क हादसे का शिकार हो गया था। छात्र के दादा इदरीश ने बताया कि बेटे की मौत के बाद पोते को देखकर दिन काट रहे थे। लोगों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। वहीं, हादसे में घायल गोपालगढ़ निवासी एक और छात्र की हालत अब स्थिर है।

युवराज तोमर (84.36 %)
दिल्ली पब्लिक स्कूल

कब खत्म होगा डीसीपी वाला सस्पेंस

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नदिया पार का अगला डीसीपी कौन होगा यह सस्पेंस खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने का समय बीत चुका है, ना तो लखनऊ वाली लिस्ट में किसी का नाम आया और ना लोकल स्तर पर किसी को तैनाती दी गई। सिटी वाले साहब ही नदिया पार वाले महत्वपूर्ण जोन की महीने भर से कमान संभाले हैं। कुख्यात बदमाश के नाम पर रंगदारी के मामले का खुलासा हो या विदेशी नेटवर्क मामले की सफलता इसका पूरा श्रेय उनके खाते में गया है। तो अब सवाल यह उठ रहा है क्या उत्तर प्रदेश में आईपीएस अधिकारियों की कमी हो गई है या गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट से मामला कुछ डिस्टर्ब चल रहा है। बीते एक महीने में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले जोन में किसी की स्थाई पोस्टिंग ना होना सवाल खड़े करता है। तो वहीं जिस तरीके से सिटी वाले साहब पर भरोसा जताया जा रहा है, उसकी भी चर्चा जोरों पर है। इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एक एसीपी का सर्किल खाली हुआ है, वहां पर भी कोई नया नहीं आया है। तो तीन एडीसीपी का लिस्ट में कब नाम आ जाएगा पता नहीं है। इन सबके बीच तीन साल पूरा करने वाले और लंबा समय बिताने वाले एसीपी की रवानगी को लेकर भी वेटिंग वाली स्थिति चल रही है। उधर बताया जा रहा है कि भले ही पास वाले कमिश्नरेट में बवाल थोड़ा खत्म हो गया है लेकिन धीरे-धीरे गाजियाबाद तक इसकी आवाज सुनाई देने लगी है। अब सूत्र बता रहे हैं कि पिछले तीन दिनों के दौरान कई थानाक्षेत्रों में मजदूरों के इकट्ठा होने और उनके दो गुटों में तनाव की सूचनाओं मिली है। हालांकि राहत वाली बात यह रही है कि मामला ना तो रोड पर हुआ और ना फैक्ट्री के गेट से आउट गया, जिस वजह से अभी खबरें दबी हुई हैं। तो सूत्र यह जानकारी दें रहे हैं कि अगर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लंबे समय तक अब कोई लिस्ट नहीं आई तो इसका नुकसान उन थाना प्रभारियों को उठाना पड़ सकता है, जो अपनी लखनऊ से ताल बैठ चुके थे। बताया जा रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर की पोस्टिंग होने के बाद कई कोतवालों को गिफ्ट और कई को शिफ्ट करने का सिलसिला शुरू होने वाला है। इसमें चार से पांच लोग सवार किया जा सकते हैं। तो तीनों ही जोन के कनेक्शन आपस में बढ़ाने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। कुल मिलाकर देखना होगा कि अप्रैल वाला महीना जो पुलिस महकमें में तावदलों का महीना कहा जाता है, उसमें गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में आने वाले दिनों में क्या बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं।

सम्पूर्ण तहसील दिवस का आयोजन

मोदीनगर, करंट क्राइम। शनिवार को तहसील परिसर में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस पर एसडीएम अजीत सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं और त्वरित कार्रवाही के आदेश दिये। इस मौके पर 133 शिकायतें प्राप्त हुई।

जिसमें 2 का मौके पर निस्तारण करते हुये शेष पर त्वरित गति से कार्रवाही कर निस्तारण के आदेश दिये। इस मौके पर एसीपी मोदीनगर व तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार मुकेश कुमार सहित अनेक विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हिंसक प्रदर्शन के बाद शांति की ओर उद्योग, सुरक्षा कड़ी

नोएडा । हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में अब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने लगे हैं। शनिवार तक करीब 80 फीसदी कामगार काम पर लौट आए। इस बीच कंपनियों में प्रवेश से लेकर हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। उद्यमियों के अनुसार औद्योगिक इकाइयों में अब 360 हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इन कैमरों के जरिए फैक्ट्री परिसर, प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग और संवेदनशील स्थानों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी।

इसके अलावा उद्यमियों ने निगरानी बढ़ाने के लिए अपने स्तर पर अलग-अलग टीमें गठित की हैं जो सुरक्षा व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं। कंपनियां अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की भर्ती भी कर रही हैं। कई फैक्ट्रियों के गेट पर नए गार्ड तैनात किए जा रहे हैं और आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है। प्रशासन की ओर से जारी निदेशों को भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। कंपनियों के मुख्य द्वार पर दिशानिदेशों के बोर्ड लगाए जा रहे हैं ताकि कर्मचारियों और आगंतुकों को स्पष्ट जानकारी मिल सके और नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

नए कामगारों की भर्ती शुरू

श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए उद्योगों ने बड़े पैमाने पर कामगारों की भर्ती करना शुरू कर दिया है। कई कंपनियों के बाहर भर्ती जारी है के बोर्ड लगे हुए हैं और पूरी क्षमता के साथ उद्योग संचालित करने के प्रयास जारी हैं। जो कर्मचारी प्रदर्शन के बाद काम पर नहीं लौटे हैं उनसे काम पर लौटने की अपील की जा रही है।

एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में मेगा जॉब फेयर-2026 आयोजित

मोदीनगर, करंट क्राइम। एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के ईस्वारी ऑडिटोरियम में मेगा जॉब फेयर-2026 के औपचारिक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण इनवोकेशन के साथ हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना संपन्न हुई। औपचारिक सत्र की शुरूआत डीन आईक्यूएसी डॉ0 धौम्या भट्ट, द्वारा स्वागत भाषण से हुई। इसके उपरांत डॉ0 आरपी महापात्र डीन व निदेशक डॉ0 एस0 विश्वनाथन, ने अपने विचार प्रस्तुत किए और उद्योग, शैक्षणिक सहयोग तथा छात्रों की कैरियर तैयारी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप निदेशक रोजगार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार सुश्री संगीता देवी ने रोजगार सृजन एवं कौशल विकास से संबंधित सरकारी पहलों पर विस्तृत जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि संयुक्त निदेशक रोजगारए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार आरवी सखारे ने अपने बदलते रोजगार परिदृश्य तथा युवाओं के लिए निरंतर कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया। यह मेगा जॉब फेयर-2026 विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख नियोक्ताओं एवं रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को एक मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने प्रधानमंत्री के संबोधन को विशेष रूप से सुना। प्रधानमंत्री के शब्दों को अपनी फेसबुक पोस्ट बनाया। नारी शक्ति वंदन की बात की। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने नारी शक्ति के आशीर्वाद की बात की। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी की ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

पूर्व यूएस ऊर्जा सचिव ने कहा: 'भारत की ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता के लिए न्यूक्लियर पावर जरूरी'

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व ऊर्जा सचिव ने कहा कि भारत की ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता के लिए न्यूक्लियर पावर जरूरी हैं। आगे उन्होंने कहा कि भूराजनीतिक तनाव वैश्विक ईंधन बाजार की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं।

अमेरिका के पूर्व ऊर्जा सचिव और नोबेल पुरस्कार विजेता स्टीवन चू ने कहा है कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बन सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भूराजनीतिक तनाव वैश्विक ईंधन बाजार की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। चू ने भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने में अमेरिकी ऊर्जा नीति का नेतृत्व किया था। स्टीवन चू ने भारत के साथ क्लीन एनर्जी सहयोग बढ़ाने के समय अमेरिकी एनर्जी पॉलिसी का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत रहे हैं और सतत व टिकाऊ लक्ष्यों पर केंद्रित रहे हैं।

उन्होंने बताया 'जब मैं ऊर्जा सचिव था, तो भारत में अपने समकक्षों के साथ मेरे बहुत करीबी और अच्छे संबंध थे। वे उन दिनों सस्टेनेबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, इन सभी चीजों को लेकर बहुत गंभीर थे।' 'मुझे उम्मीद है कि भारत इन आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। शायद अमेरिका में थोड़ी रुकावट आई है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हम इस प्रतिबद्धता पर वापस लौटेंगे।' चू ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बड़ी अर्थव्यवस्था को मिलकर काम करना होगा और कहा, 'भविष्य में दुनिया को आगे ले जाने में भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बड़े देशों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। ये देश मिलकर ही दुनिया की दिशा तय करेंगे।'

भविष्य में सहयोग के क्षेत्र पर, उन्होंने न्यूक्लियर एनर्जी और नई रिएक्टर टेक्नोलॉजी की ओर इशारा किया और कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ब्रीडर रिएक्टर डेवलप कर रहा है, जो बहुत बढ़िया है। ये फास्ट टर्म रिएक्टर हैं जो कन्वेंशनल सिजन रिएक्टर के लिए बहुत सारा फ्यूल जलाने में मदद करते हैं।' उन्होंने हाल के झगड़ों को घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को लेकर नई जरूरत से जोड़ा और कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के युद्धों (यूक्रेन और ईरान) ने एनर्जी सिक्योरिटी, सीमाओं के अंदर एनर्जी एक्सेस को इसका बहुत जरूरी हिस्सा बना दिया है।'

भारत को लेकर क्या कहा

उन्होंने आगे कहा कि न्यूक्लियर पावर स्टेबल सप्लाई सुनिश्चित करने में साफ फायदा देती है। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूक्लियर को वहां देखता हूं जहां अपने देश के भीतर ही ईंधन डालकर सीमित स्थान में ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है। इससे लंबे समय तक ऊर्जा मिलती रहती है। इसके विपरीत, प्राकृतिक गैस की उपलब्धता आमतौर पर हफ्तों या अधिकतम कुछ महीनों तक ही मापी जाती है।' क्या न्यूक्लियर एनर्जी भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद कर सकती है, चू ने कहा, 'हां, जब तक वे यह पता लगा लें कि बजट में, समय पर रिएक्टर कैसे बनाए जाएं।'

डिस्पोजल एक हल होने वाली समस्या

उन्होंने एफिशिएंसी के उदाहरण के तौर पर रिएक्टर बनाने के लिए चीन के तरीके का जिक्र किया और कहा, 'चीन ने यह पता लगा लिया है। उनके पास दो दर्जन रिएक्टर हैं जो बजट में, समय पर हैं और वे सीखने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। वे रिएक्टर एक से दो, तीन से चार बनाने के लिए एक ही क्रू का इस्तेमाल करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया को इस उदाहरण को फॉलो करना चाहिए। मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं फैसले का बहुत बड़ा फैन हूं।' चू ने न्यूक्लियर वेस्ट के डिस्पोजल को लेकर चिंताओं पर भी बात की और कहा कि इसे तकनीकी नवाचार से मैनेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'डिस्पोजल एक हल होने वाली समस्या है।'

उन्होंने नई तकनीक के बारे में बताया जिन पर काम किया जा रहा है और कहा, 'मैं एक समूह का सलाहकार हूं जो उन तकनीकों को देखने की कोशिश कर रहा है, जिनका इस्तेमाल ऑयल ड्रिलिंग में एक किलोमीटर नीचे बोरहोल ड्रिल करने के लिए किया जाता है और फिर साइड में न्यूक्लियर डिस्पोजल को बिना किसी मानव के कनस्तरों में जमा करने के लिए किया जाता है।'

महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

टोक्यो। जापान के नागानो प्रांत में शनिवार को 5.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र 10 किलोमीटर गहराई में था। ओमाची शहर में सबसे तेज झटके महसूस हुए।

जापान के उत्तरी नागानो प्रांत में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1:20 बजे यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई।

प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने इस प्राकृतिक आपदा पर तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भूकंप का केंद्र उत्तरी नागानो में था। ओमाची शहर में सबसे ज्यादा असर देखा गया। प्रधानमंत्री ने स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक विशेष संपर्क कक्ष स्थापित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नुकसान का जल्द से जल्द पता लगाएं और जनता तक सटीक जानकारी पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री ने प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में भी इसी तरह की तीव्रता वाले झटके महसूस हो सकते हैं। 'द जापान टाइम्स' के अनुसार, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इस भूकंप से सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

कई शहरों में भूकंप का असर अलग-अलग रहा। ओमाची शहर में तीव्रता पांच (ऊपरी स्तर) और नागानो शहर में तीव्रता पांच (निचली स्तर) दर्ज हुई। ओगावा गांव में तीव्रता चार और मात्सुमोतो शहर में तीव्रता तीन रही। पहले झटके के लगभग दो घंटे बाद, दोपहर 3:30 बजे ओमाची में एक और भूकंप आया, जिसकी तीव्रता ती थी। सुरक्षा के लिहाज से परमाणु संयंत्रों की भी जांच की गई। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि पड़ोसी निगाटा प्रांत में स्थित काशीवाजाकी-कारीवा न्यूक्लियर पावर प्लांट पूरी तरह सुरक्षित है।

तुर्किये में चार देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक, सहयोग बढ़ाने पर सभी एकजुट

अंकारा। तुर्किये के अंटाल्या में पाकिस्तान समेत चार देशों के विदेश मंत्रियों की तीसरी बैठक हुई। इसमें सभी देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। अमेरिका-ईरान तनाव और पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा हुई। आइए, विस्तार से पूरे मामले को समझते हैं।

तुर्किये के अंटाल्या शहर में पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक हुई। इस बैठक में चारों देशों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने और क्षेत्रीय मुद्दों पर मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। यह तीसरी परामर्श बैठक थी, जो ऐसे समय में हुई जब पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं। इस बैठक को कूटनीतिक स्तर पर बड़ी पहल माना जा रहा है। इस बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार, सऊदी अरब के प्रिंस फैसल बिन फरहान, तुर्किये के हाकन फिदान और मिस्र के बद्र अब्देलअती शामिल हुए। यह बैठक अंटाल्या डिप्लोमेसी फोरम के दौरान हुई। सभी नेताओं ने साझा हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और एक मजबूत साझेदारी बनाने पर सहमति जताई। उन्होंने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और विकास के लिए संवाद और कूटनीति को जरूरी बताया।

क्या अमेरिका-ईरान वार्ता का असर दिखा

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। हाल ही में दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हुई थी, लेकिन कोई ठोस समझौता नहीं हो सका। इन हालातों ने पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में आर्थिक दबाव और अस्थिरता का खतरा बढ़ा दिया है, जिस पर भी इस बैठक में चर्चा हुई।

क्या चार देशों के बीच नया ढांचा बनेगा

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री भी रहे इशाक डार ने चारों देशों के बीच एक सहयोगी ढांचा बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मिस्र, पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये मिलकर शांति, समृद्धि और आर्थिक विकास के लिए साझा योजना तैयार करें। उन्होंने इन देशों के बीच मजबूत रिश्तों और समान सोच की सराहना भी की।

क्या क्षेत्रीय हालात पर भी चर्चा हुई: बैठक में बदलते क्षेत्रीय हालात पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने माना कि मौजूदा समय में बातचीत और सहयोग ही तनाव कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देशों के बीच संवाद जारी रहना चाहिए, ताकि किसी भी तरह के टकराव को रोका जा सके और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

म्यांमार में कैदियों की सजा माफ, पूर्व राष्ट्रपति रिहा

म्यांमार। म्यांमार में देश के नव वर्ष के उपलक्ष्य में 4,500 कैदियों को माफी दी गई है। यह माफी शुक्रवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति विन म्यिंट को भी दी गई। नव-राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग द्वारा घोषित व्यापक कैदी माफी योजना के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया है।

सरकारी मीडिया ने कहा, अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस माफी में सैन्य शासन का विरोध करने के आरोप में कैद किए गए लोग भी शामिल हैं अथवा नहीं।

पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई के भी संकेत नहीं हैं। पूर्व राष्ट्रपति विन म्यिंट देश की नेता रही सू की के लंबे समय से वफादार रहे हैं और 2018 में राष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें 1 फरवरी, 2021 को गिरफ्तार किया गया, उसी दिन सेना ने सत्ता पर कब्जा कर कर सू की को हिरासत में ले लिया था।

लेबनान का स्थायी समझौते पर बातचीत का ऐलान, हिजबुल्लाह का हथियार छोड़ने से इंकार

नई दिल्ली। लेबनान राष्ट्रपति ने इजरायल संग सीजफायर के बाद स्थायी समझौते की पहल की। हिजबुल्लाह हथियार छोड़ने से इनकार पर अड़ा, जबकि इजरायल ने सीमित समाधान के संकेत दिए, तनाव जारी।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इजरायल के साथ सीजफायर के बाद स्थायी समझौते पर बातचीत करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम लेबनान के लोगों के अधिकारों, क्षेत्रीय एकता और देश की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। यह घोषणा गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुए 10 दिवसीय सीजफायर के बाद आई है, जिसका उद्देश्य इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच भीषण तनाव को कम करना है।

लेबनान के हितों की रक्षा के लिए सीजफायर

राष्ट्रपति औन ने लेबनान के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश अब सीजफायर लागू करने से आगे बढ़कर लंबे समय तक स्थिरता बनाए रखने के बड़े चरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सीजफायर का श्रेय लेबनान के लोगों के संयुक्त प्रयासों और कुर्बानियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनयिक जुड़ाव को दिया। आउन ने स्पष्ट किया कि बातचीत कमजोरी का संकेत नहीं है, बल्कि यह लेबनान के हितों की रक्षा करने और जानमाल के नुकसान व विस्थापन को रोकने का एक संप्रभु निर्णय है। उन्होंने कहा कि हजारों लेबनानी मारे गए हैं और विदेशी हितों के लिए अब और जानें नहीं जानी चाहिए। राष्ट्रपति औन ने कहा, ₹मैं इन फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हूं।₹ उन्होंने एक ही सरकारी अथॉरिटी, संविधान और सेना के तहत देश की एकता की भी अपील की।

स्थायी समझौते के लक्ष्य

औन ने आने वाले चरण के मुख्य मकसद बताए। इनमें लेबनानी क्षेत्र पर इजरायली हमलों को रोकना शामिल है। इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करना और कैदियों की वापसी भी प्रमुख लक्ष्य हैं। बेघर हुए नागरिकों की सुरक्षित वापसी मुमकिन बनाना भी एक अहम उद्देश्य है।

इसके साथ ही, सभी लेबनानी क्षेत्रों में सरकार का पूरा अधिकार वापस लाना भी इसमें शामिल है।

नई कूटनीतिक पहल के बीच हवाना में मिले अमेरिका और क्यूबा के अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में क्यूबा की राजधानी हवाना पहुंचा। यहां उन्होंने क्यूबा सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की। साल 2016 के बाद यह पहली बार है जब अमेरिका का कोई सरकारी विमान हवाना में उतरा है। विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह की यात्रा के दौरान विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्यूबा के सेवानिवृत्त नेता राउल कास्त्रो के पोते से मुलाकात की। हालांकि, इस दल में विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल नहीं थे। अमेरिका ने क्यूबा के सामने अपनी अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था में बड़े बदलाव करने की शर्त रखी है। अमेरिका चाहता है कि क्यूबा राजनीतिक कैदियों को रिहा करे और लोगों का दमन बंद करे। इसके बदले में अमेरिका क्यूबा पर लगी पाबंदियों को कम कर सकता है।

बैठक में अमेरिका ने क्यूबा को 'स्टारलिंक' सैटेलाइट के जरिए मुफ्त और बेहतर इंटरनेट देने का प्रस्ताव भी दिया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को एक 'विफल देश' बताया है। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि ईरान के बाद उनका ध्यान क्यूबा पर हो सकता है।

इसके जवाब में क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने कहा कि उनका देश किसी भी सैन्य हमले का सामना करने और अपनी रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

ट्रंप की धमकी के बीच ईरान ने बंद किया होर्मुज का रास्ता

तेहरान। ईरान ने अमेरिका पर वादाखिलाफी और समुद्री डकैती का आरोप लगाते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य पर फिर से बंद कर दिया है। वहीं इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि शांति समझौता होने तक अमेरिकी घेराबंदी जारी रहेगी। इसी के जवाब में ईरान ने यह कदम उठाया है।

ईरान ने शनिवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा है कि सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य अब फिर से पुरानी स्थिति यानी सख्त सैन्य नियंत्रण में वापस आ गया है। ईरान ने यह फैसला अमेरिका की ओर से ईरानी बंदरगाहों की लगातार की जा रही घेराबंदी के जवाब में लिया है। तेहरान ने पहले इस जलमार्ग को फिर से खोलने की घोषणा की थी।

ईरानी सरकारी मीडिया 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' (क्रम्न्न्ह) ने इस संबंध में जानकारी दी है। ईरान के 'सेंट्रल हेडक्वार्टर ऑफ द होली प्रॉफेट' के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया कि तेहरान ने पहले सद्भावना दिखाते हुए बातचीत के बाद तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों को इस रास्ते से सीमित और प्रबंधित तरीके से गुजरने की अनुमति देने पर सहमति जताई थी।

अमेरिका को बताया 'समुद्री लुटेरा'

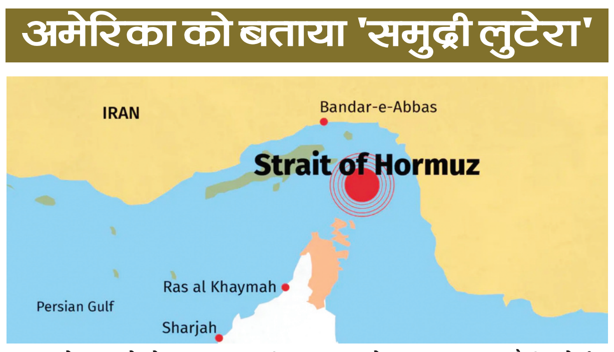

हालांकि, प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने अपने वादों को बार-बार तोड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका घेराबंदी लागू करने के बहाने समुद्री डकैती और लूटपाट जैसी गतिविधियों में शामिल रहा है। इसी वजह से ईरान ने अब अपना रुख कड़ा कर लिया है। बयान में साफ कहा गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अब नियंत्रण फिर से सख्त कर दिया गया है और यह पूरा जलमार्ग अब ईरान के सशस्त्र बलों के सीधे प्रबंधन और नियंत्रण में रहेगा।

ईरान ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान स्थिति तब तक जारी रहेगी जब तक अमेरिका ईरानी जहाजों के लिए आवाजाही की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित नहीं कर देता। यह तनाव तब और बढ़ गया जब डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट साझा की। ट्रंप ने घोषणा की कि ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक घेराबंदी तब तक पूरी ताकत के साथ जारी रहेगी जब तक तेहरान के साथ कोई व्यापक शांति समझौता या लेनदेन 100 प्रतिशत पूरा नहीं हो जाता। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बहुत तेजी से पूरी होगी। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाली हर समुद्री गतिविधि पर तेहरान का कड़ा नियंत्रण रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाजों को केवल ईरान के तय किए गए रास्तों से और उसकी मंजूरी मिलने के बाद ही गुजरने दिया जाएगा।

जंग का असर: जेट फ्यूल की कीमतें दोगुनी

एयर कनाडा 5 महीने तक जेएफके एयरपोर्ट के लिए उड़ानें बंद रखेगी

नई दिल्ली। एयर कनाडा एयरलाइंस ने ईरान युद्ध के चलते जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण न्यूयॉर्क के जॉन एफ. केनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए अपनी उड़ान सेवाएं लगभग पांच महीने के लिए निलंबित करने का फैसला किया है। एयरलाइन ने शुक्रवार को बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल से न्यूयॉर्क के लिए उड़ानें 1 जून से बंद हो जाएंगी और 25 अक्टूबर से फिर शुरू की जाएंगी। हालांकि, न्यूयॉर्क क्षेत्र के अन्य दो हवाई अड्डों ला गार्डिया और नेवार्क के लिए सेवाएं जारी रहेंगी।

एयर कनाडा के प्रवक्ता के अनुसार, 'ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से जेट फ्यूल की कीमतें दोगुनी हो गई हैं, जिससे कम मुनाफे वाले रूट्स आर्थिक रूप से व्यवहारिक नहीं रह गए हैं। इसी के चलते शेड्यूल में बदलाव किया जा रहा है।' आंकड़ों के मुताबिक, जेट फ्यूल की औसत कीमत बढ़कर 4.32 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जो युद्ध से पहले 2.50 डॉलर प्रति गैलन थी। हालांकि, शुक्रवार को जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का एलान किया तो तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईंधन और श्रम लागत एयरलाइंस के लिए सबसे बड़े खर्च होते हैं। जेटब्लू और यूनाइटेड एयरलाइंस जैसी कंपनियां बैगेज फीस बढ़ा रही हैं, जबकि लुफ्थांसा और केएलएम जैसी एयरलाइंस को कुछ रूट्स पर सेवाएं कम करनी पड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के निदेशक फातिह बिरोल ने चेतावनी दी है कि यूरोप के पास जेट फ्यूल का भंडार करीब छह हफ्तों का ही बचा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बड़े ऊर्जा संकट का सामना कर सकती है।

वायुसेना प्रमुख ने अमेरिका में उड़ाया F-15EX फाइटर जेट, रक्षा संबंधों पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिका में ऋ-15ए फाइटर जेट में उड़ान भरी और पेंटागन में शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करना, आधुनिक तकनीकों को साझा करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 अप्रैल को बोइंग कंपनी के आधुनिक लड़ाकू विमान ऋ-15ए ईगल क्क में उड़ान भरी। इस उड़ान के दौरान उनके साथ अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन मौजूद थे। यह विमान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और हवाई प्रभुत्व बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

F-15EX ईगल क्क विमान को अमेरिका अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक मानता है। नेलिस एयर फोर्स बेस पर हुई इस उड़ान का मकसद आधुनिक हवाई युद्ध में इस विमान की भूमिका को समझना था। अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इनमें अमेरिकी वायुसेना वारफेयर सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपर्सन शामिल थे। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी मौजूद रहे।

बातचीत का मुख्य केंद्र दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास के अवसरों को बढ़ाना और आधुनिकीकरण के प्रयासों को एक साथ लाना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मजबूत करने की जरूरत है। इसमें संयुक्त अभियानों में बेहतर समन्वय, नई तकनीकों को साझा करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करने पर ध्यान दिया गया। यह सहयोग भविष्य में दोनों देशों की सैन्य शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

F-15EX ईगल क्क की खूबियों की बात करें, तो यह विमान मैक 2.5 की तेज रफ्तार से उड़ सकता है और 50,000 फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। यह लगभग 13,381 किलोग्राम वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है।

बोइंग के अनुसार, इसमें डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर कंट्रोल, आधुनिक मिशन सिस्टम और उन्नत रडार लगे हैं। इसकी लंबी उम्र और मारक क्षमता इसे आधुनिक युद्ध के लिए बेहद खास बनाती है। अपनी यात्रा के अगले चरण में 10 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल सिंह पेंटागन पहुंचे। वहां अमेरिकी वायुसेना के प्रमुख जनरल केन विल्सबैक ने उनकी मेजबानी की।

48 घंटे में चार चीनी विमान गायब
ईरान में लैंडिंग के दावे से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि चीन के चार कार्गो विमान 48 घंटे के भीतर ईरान पहुंचे और उड़ान के दौरान ट्रांसपोंडर बंद कर गायब हो गए। इन विमानों में हथियार ले जाए जाने की भी बात कही गई, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तेजी से वायरल हो रहे पोस्ट में टिप्पणीकार मारियो नवाफल ने मोसाद कमेंट्री का हवाला देते हुए दावा किया कि चीन के चार कार्गो विमान 48 घंटे के भीतर ईरान पहुंचे, लेकिन उससे पहले उन्होंने उड़ान के दौरान अपने ट्रांसपोंडर बंद कर दिए।

पोस्ट में कहा गया कि ये विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश से पहले गायब हो गए, जिसे एविएशन विशेषज्ञ अक्सर जानबूझकर लोकेशन छिपाने से जोड़ते हैं, न कि तकनीकी खराबी से। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि इन विमानों में हथियार और गोला-बारूद ले जाया जा रहा था। हालांकि, इन दावों की किसी भी सरकार या स्वतंत्र एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। उपलब्ध जानकारी के आधार पर इनकी सत्यता स्थापित नहीं हो सकी है। हालांकि, इन दावों की किसी भी सरकार या स्वतंत्र एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। उपलब्ध जानकारी के आधार पर इनकी सत्यता स्थापित नहीं हो सकी है।

चीन ने अमेरिका को क्या कहा था?

इन दावों ने इसलिए भी ध्यान खींचा है क्योंकि ये ऐसे समय में सामने आए हैं जब चीन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आश्वस्त किया था कि वह ईरान को हथियार नहीं देगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और हालिया संघर्षविराम के बीच यह मुद्दा पहले से ही बेहद संवेदनशील बना हुआ है।

तनाव के बीच कूटनीतिक हलचल

इन सबके बीच कूटनीतिक स्तर पर कुछ नरमी के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संकेत दिया है कि होर्मुज जलडमरूमधअय अब वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला है। हालांकि, अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया है कि ईरान पर नौसैनिक दबाव तब तक जारी रहेगा, जब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो जाता। साथ ही, दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की सीधी वार्ता इस सप्ताहांत तक होने की संभावना जताई गई है।

चीन का सख्त खंडन

बीजिंग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि ईरान को सैन्य सहायता देने से जुड़े सभी मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह मनगढ़ंत हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इन आरोपों के आधार पर कोई कदम उठाता है, तो चीन जवाबी कार्रवाई कर सकता है। यह बयान उस व्यापक संदर्भ में आया है, जहां वाशिंगटन की ओर से उन देशों पर संभावित टैरिफ बढ़ाने के संकेत दिए गए हैं, जो ईरान की किसी भी तरह मदद करते पाए जाते हैं।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
08 | रविवार • 19 अप्रैल -2026
गाजियाबाद

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

कनावनी अग्निकांड: राहत कार्य में आगे आया ऑल इंडिया मैनुफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ग्राम कनावनी में 16 तारीख को हुए भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों को पलभर में बेघर कर दिया।

इस दर्दनाक घटना के बाद जहां एक ओर प्रशासन ने राहत और पुनर्वास के प्रयास तेज किए, वहीं सामाजिक और औद्योगिक संगठनों ने भी संवेदनशीलता दिखाते हुए मदद का हाथ बढ़ाया। जिलाधिकारी द्वारा पीड़ितों की सहायता के लिए की गई अपील का असर यह रहा कि विभिन्न संस्थाएं आगे आईं और राहत सामग्री उपलब्ध करानी शुरू की। इसी क्रम में ऑल इंडिया मैनुफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन (यूपी स्टेट बोर्ड) ने पीड़ित परिवारों के लिए 100 राहत किट्स उपलब्ध कराईं। इन किट्स में आवश्यक दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल रही, जिससे प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके।

इन किट्स का वितरण प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया, ताकि हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंच सके।

संगठन ने दिखाई सामाजिक जिम्मेदारी

करंट क्राइम। राहत वितरण के दौरान संगठन के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल सहित अनिल गर्ग, संजीव गुप्ता, अनुज शर्मा और बृजेश अग्रवाल मौके पर मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पीड़ितों को सामग्री वितरित की और उनका हौसला बढ़ाया। ऑल इंडिया मैनुफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन (यूपी स्टेट बोर्ड) ने इस हादसे में सब कुछ खो चुके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर आगे भी हर संभव सहयोग किया जाएगा। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह राहत कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कनावनी अग्निकांड के प्रभावितों से की मुलाकात, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कनावनी जाकर अग्निकांड के प्रभावित लोगों से मुलाकात की। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा और महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अग्निकांड के प्रभावित लोगों से बातचीत की और वास्तविक स्थिति की जानकारी हासिल की।

जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि कनवानी अग्निकांड में करीब 1000 परिवार प्रभावित हुए हैं । कई लोगों के पास जीवन यापन करने तक के समान नहीं बचे हैं। प्रभावित परिवारों के पास पहनने के लिए कपड़े तक नहीं है । खाना बनाने के लिए चूल्हा बर्तन नहीं है और दैनिक क्रिया के लिए कोई भी साधन नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर निगम गाजियाबाद और प्रशासन की ओर से अग्निकांड के प्रभावित परिवारों को अभी तक कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची है घटना के 24 घंटे बाद भी परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है ।

लोग यहां पर पीने के पानी के लिए भी तरस रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वादा किया कि प्रभावित लोगों की हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपके साथ हमेशा खड़ी है जो भी सहयोग हमसे बन पाएगा हम लोग करेंगे। शासन प्रशासन से भी मदद के लिए दबाव बनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं से गरीब मजदूर मजलूम महिलाओं व बच्चों अन्य लोगों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए।

अजय राय ने कहा कि यह जानकर आश्चर्य हुआ कि 24 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं दी गई जबकि इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व प्रदेश के मंत्री करते हैं। प्रदेश के मंत्री की ओर से भी प्रभावित लोगों की मदद के लिए कोई पहल नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अग्निकांड के प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करेंगे। जिला और महानगर कमेटियों की ओर से प्रभावित हुए मजदूरों को बच्चों को पानी, फल, भोजन बिस्कुट नमकीन बर्तन आदि दिए गए। उन्होंने कहा कि जल्दी शासन प्रशासन से मदद दिलवाई जाएगी। झुग्गी झोपड़ी में जो मकान जल गए हैं, उनके लिए प्रदेश सरकार स्तर से मदद पहुंचाने में कांग्रेस पार्टी आगे के लिए लड़ाई लड़ेगी। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि जिला इकाई की ओर से हर तरीके की संभव सहायता लगातार जारी रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष के साथ जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, डॉक्टर संजीव शर्मा प्रदेश महासचिव पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, आशुतोष गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी, हाजी खुर्शीद अली, जिला महामंत्री रिजवान मलिक, रूबी मलिक महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, तरुण शर्मा एडवोकेट, अनवर कुरैशी डासना नगर कांग्रेस अध्यक्ष, अजय शर्मा रवि शंकर सूर्य ,सुनील शर्मा, अमित शर्मा दिनेश मेहता, अजीज भाई, राजेश शर्मा, अन्य सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छ वार्ड रैंकिंग के जरिये शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने की नई पहल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने एक अहम कदम उठाया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत सभी वार्डों में स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिससे स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी प्रोत्साहन मिल सके। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत न केवल वार्डों बल्कि रहवासी संघ (आरडब्ल्यूए), होटल, अस्पताल, कार्यालय और स्कूलों को भी शामिल किया गया है। नगर निगम की टीमें इन सभी स्थानों का निरीक्षण कर स्वच्छता के विभिन्न मानकों के आधार पर मूल्यांकन कर रही हैं। मूल्यांकन के प्रमुख बिंदुओं में स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, सार्वजनिक स्थानों की नियमित साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था और आम नागरिकों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है।

इन मानकों पर अंक देकर प्रत्येक वार्ड और संस्थान की रैंकिंग तय की जाएगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि यह पहल स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करेगी। इससे लोग अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए अधिक सजग और सक्रिय बनेंगे। नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने वार्ड को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श बनाने में योगदान दें। मेरा वार्ड- मेरी जिम्मेदारी के संदेश के साथ यह पहल गाजियाबाद को स्वच्छता के नए मानकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

श्रमिकों के स्वास्थ्य पर फोकस, नोएडा में बड़ा प्लान तैयार

डीएम की बैठक में सीएसआर से मेडिकल कैंप और मोबाइल हेल्थ सेवाओं पर जोर

श्रमिकों की सेहत पर फोकस, नोएडा में स्वास्थ्य सेवाओं का मास्टर प्लान तैयार

श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रशासन ने व्यापक रणनीति तैयार की है। जिलाधिकारी की बैठक में तय हुआ कि निजी अस्पताल उरफ के तहत औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित मेडिकल कैंप लगाएंगे, जहां श्रमिकों और उनके परिवारों की मुफ्त जांच होगी। खासतौर पर महिला श्रमिकों के लिए कैंसर जांच, नेत्र परीक्षण और अन्य जरूरी सुविधाओं पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही मोबाइल मेडिकल वैन, मिनी ओपीडी और कंस्ट्रक्शन साइट्स पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। सभी अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर माइक्रो प्लान बनाना होगा और नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, दवाइयां और उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें, जिससे श्रमिकों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके।

निजी अस्पतालों को माइक्रो प्लान और नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश

नोएडा (करंट क्राइम)। जनपद गौतमबुद्ध नगर में श्रमिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और निजी अस्पताल संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए समन्वित प्रयासों को मजबूत करना रहा। जिसमें कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) के तहत मेडिकल कैंप, मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं और माइक्रो प्लान तैयार करने पर चर्चा हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में विकसित हो रहा है, जहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं और लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में श्रमिकों के आवास, स्वास्थ्य, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने निजी अस्पताल संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) फंड का उपयोग करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित मेडिकल कैंप आयोजित करें।

श्रमिक आंदोलन में हुई हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता आदित्य तमिलनाडु से गिरफ्तार

नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मुख्य मास्टरमाइंड और एक लाख रुपये के इनामी अभियुक्त आदित्य आनंद को तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में नोएडा पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा की गई। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी एक प्रेस नोट के अनुसार नोएडा में श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसक घटनाओं के संचालन में आदित्य आनंद की संलिप्तता पाई गई थी। जांच में उसकी भूमिका मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आई थी। इस संबंध में थाना फेस-2 में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना के बाद से ही अभियुक्त फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए गौतमबुद्धनगर की अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। पुलिस की विभिन्न टीमों ने कई राज्यों में लगातार दबिश दी और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस सहित तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए उसकी तलाश जारी रखी। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मामले में जांच को महत्वपूर्ण गति मिलने की उम्मीद है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा लगातार प्रयासों के बाद 18 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों को लेकर दो पक्षो में हुआ झगड़ा पुलिस मामले की जांच में जुटी

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र के नंगला जहानू गांव में बच्चों के मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव हुआ। शुक्रवार को हुई इस घटना में कई लोग घायल हो गए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित पक्ष के आबिद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भाई, भाभी और परिवार के अन्य सदस्यों का पड़ोसियों रफीक, सलमान, वारिस और इंतजार के बच्चों से विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी बात को लेकर शुक्रवार को आरोपी पक्ष के लोग उनके घर के सामने आए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव भी हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में पीड़ित पक्ष के कई लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रफीक, सलमान, वारिस और इंतजार सहित चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जेवर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

100 रुपये के लिए गंगा पुल पर चढ़ा युवक आधे घंटे तक किया हंगामा

पुलिस ने समझाकर सुरक्षित उतारा, हिरासत में लिया

हापुड़। हापुड़ के ब्रजघाट क्षेत्र में शनिवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां शराब के लिए 100 रुपये न मिलने पर एक व्यक्ति गंगा पुल पर चढ़ गया और करीब आधे घंटे तक हंगामा करता रहा। मुरादाबाद निवासी यह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ गंगा स्नान करने आया था।

स्नान के बाद उसने अपनी पत्नी से शराब पीने के लिए 100 रुपये मांगे, लेकिन पत्नी ने पैसे देने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर वह व्यक्ति घाट से बाहर निकलकर गंगा पुल पर चढ़ गया। पुल पर चढ़ते ही वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा और पत्नी पर आरोप लगाने लगा। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने काफी समझाने-बुझाने के बाद व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा और उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी शराब पीने के लिए अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता है और इसी वजह से यह स्थिति बनी।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की हरकतें न केवल व्यक्ति की जान के लिए खतरा होती हैं, बल्कि आसपास मौजूद लोगों और यातायात के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करती हैं।

हापुड़ में ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती, 22 वाहनों पर कार्रवाई

मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर चला पुलिस का अभियान

हापुड़ (करंट क्राइम)। हापुड़ में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए यातायात पुलिस ने सख्त अभियान चलाया। इस दौरान मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वाले 22 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अभियान के तहत यातायात पुलिस कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें क्षेत्राधिकारी यातायात राहुल यादव की अध्यक्षता में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी रमेश कुमार चौबे, यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय, यातायात निरीक्षक नरेश सिंह सहित रॉयल एनफील्ड के गैराज मालिक और मैकेनिक शामिल हुए। बैठक में गैराज संचालकों को मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाहनों में मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न या हूटर लगाना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में धारा 182ए (3) के तहत गैराज संचालकों पर प्रति मामले एक लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। साथ ही उन्हें भविष्य में ऐसे अवैध कार्यों से दूर रहने की चेतावनी दी गई। बैठक के बाद पुलिस ने जनपद के प्रमुख चौराहों और स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 22 वाहनों का चालान किया गया और कुछ वाहनों को निरुद्ध भी किया गया। वाहन स्वामियों को नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंज्य सिंह मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने टीमों को नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। एआरटीओ रमेश कुमार चौबे ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कबाड़ गोदाम में भीषण आग दमकल की 3 गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा के ग्राम सोरखा पुस्ता इलाके में शनिवार को एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के अनुसार, ग्राम सोरखा में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। आग कबाड़ में लगी थी, जिसे तीन दमकल गाड़ियों की मदद से पूरी तरह बुझा दिया गया।

बताया जा रहा है कि गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, जिसके कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। धुएं की मोटी परत के चलते आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी चिंगारी को संभावित कारण माना जा रहा है। वहीं दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ी दुर्घटना टल गई, जबकि आग के कारणों की जांच जारी है।

मोबाइल फोन टॉवरों से आरआरयू चोरी करने वाले तीन शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रेकी करने के बाद शहर के अलग-अलग हिस्से में लगे मोबाइल फोन के टावरों से आरआरयू चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते थाना बीटा-2 पुलिस ने 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से एक आरआरयू उपकरण, मोटरसाइकिल तथा अवैध शस्त्र बरामद किया है।

थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन के टावरों से आरआरयू चोरी करने वाले 3 अभियुक्त रविन्द्र पुत्र शेर सिंह, राहुल पुत्र विकास तथा प्रवीन पुत्र श्रीचन्द्र को यथार्थ गोलचक्कर के पास से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तगण द्वारा रेकी कर मोबाइल टॉवर से आरआरयू उपकरण एवं मोटरसाइकिल की चोरी की जाती थी तथा पकड़े जाने के डर से अपने पास चाकू भी रखते थे। अभियुक्तों से बरामद आरआरयू उपकरण व मोटरसाइकिल के संबंध में पूछताछ की गई तो अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि करीब 4-5 दिन पूर्व कासना क्षेत्र से आरआरयू उपकरण चोरी किया था तथा लगभग 1 वर्ष पूर्व सूरजपुर क्षेत्र से उक्त मोटरसाइकिल चोरी की गई थी। अभियुक्तों ने बताया कि पकड़े जाने से बचने के लिए मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट हटा दी थी। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन टॉवरों से आरआरयू उपकरण चोरी करने वाले तीनों अभियुक्तों के खिलाफ 18 मुकदमें जनपद गौतमबुद्ध नगर के थानों में दर्ज है। पुलिस अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एक कर रही है।

हेड कांस्टेबल की मौत, मेरठ तिराहे पर गिरे मिले थे, अस्पताल में तोड़ा दम

हापुड़। हापुड़ में कोतवाली इलाके के मेरठ रोड पर एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। उन्हें मेरठ तिराहे पर सड़क किनारे अचेत अवस्था में पाया गया था। अस्पताल ले जाने पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। जानकारी के मुताबिक बुलंदशहर निवासी धर्मवीर उत्तर प्रदेश पुलिस में हेड कांस्टेबल थे और बागपत में तैनात थे।

पुलिस के अनुसार, धर्मवीर किसी काम से हापुड़ आए थे और मेरठ तिराहे पर बस का इंतजार कर रहे थे।

बस का इंतजार करते समय वह अचानक गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण अचानक तबीयत बिगड़ना बताया जा रहा है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। कोतवाली प्रभारी विनोद पांडेय ने बताया कि पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। फिलहाल परिजन को सूचित कर दिया गया है।

47 हजार वर्ग मीटर में विकसित अवैध कॉलोनियों पर जीडीए का चला बुलडोजर

मोदीनगर (करंट क्राइम)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोदीनगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने हापुड़ रोड और तिबड़ा क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान खसरा संख्या 442 व 492, हापुड़ रोड मोदीनगर स्थित लगभग 25 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। वहीं खसरा संख्या 10 व 11, ललितपुर तिबड़ा क्षेत्र में करीब 22 हजार वर्ग मीटर में चल रहे अवैध प्लॉटिंग और मिट्टी भराव कार्य पर भी कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान मौके पर किसी प्रकार का स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका, जिसके चलते प्राधिकरण ने अनाधिकृत निर्माण को अवैध मानते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान कॉलोनाइजर द्वारा बनाई गई सड़क, बाउंड्रीवाल, साइट ऑफिस सहित अन्य निमार्णों को भी ध्वस्त कर सीलिंग की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर और निर्माणकताओं द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस बल और जीडीए की प्रवर्तन टीम ने सख्ती दिखाते हुए पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।